mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-223 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
12 अगस्त 2024
सोमवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

महिला पहलवान ...
@ पेज 7

कांग्रेस का आरोप, मोदी ने अडाणी को बचाने की रची साजिश

सरकार ने जिस सेबी को जांच सौंपी, वही घोटाले में है शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में अडाणी ग्रुप की कंपनियों में सेबी चीफ माधबी पुरी बुच की हिस्सेदारी के खुलासे के बाद राजनीति शुरू हो गई है। कांग्रेस ने कहा है कि नरेंद्र मोदी ने जांच

- हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर जयराम रमेश ने की संसदीय जांच की मांग

के नाम पर अपने परम मित्र (अडाणी) को बचाने की साजिश रची है। कांग्रेस ने एक्स पर लिखा, अडानी महाघोटाले की जांच सेबी को दी गई। अब खबर है कि सेबी की चीफ माधवी बुच भी अडानी महाघोटाले में शामिल हैं। मतलब घोटाले की जांच करने वाला ही घोटाले में शामिल है। है ना कमाल की बात! कांग्रेस ने कहा है कि इस महाघोटाले की सही जांच सिर्फ जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (जेपीसी) से हो सकती है। हालांकि, मोदी सरकार जेपीसी बनाने को तैयार नहीं है। पीएम मोदी कब तक अडानी को

बचा पाएंगे, एक न एक दिन तो पकड़े जाएंगे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भी हिंडनबर्ग रिपोर्ट को लेकर सेबी चीफ माधबी पुरी बुच पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने एक्स पर बयान जारी किया, जिसे कांग्रेस ने भी शेयर किया है। उन्होंने दावा कि 2022 में सेबी चीफ बनने के तुरंत बाद माधबी पुरी बुच ने गौतम अडाणी के साथ दो मीटिंग्स की। जबकि, उस समय सेबी कथित तौर पर अडाणी के लेन-देन की जांच कर रहा था। जयराम ने कहा कि संसद का मानसून सत्र 12 अगस्त तक चलने वाला था। हालांकि, इसे 9 अगस्त को अचानक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। अब हमे इसका कारण पता चला। कांग्रेस महासचिव ने बयान में लिखा- हिंडनबर्ग रिपोर्ट से पता चलता है कि माधबी और उनके पति ने बरमूडा और मॉरीशस स्थित ऑफशोर फंड में निवेश किया था।

एमपी में एविएशन एकेडमी का टू सीटर एयरक्राफ्ट क्रैश

- टेस्ट फ्लाइट के लिए उड़ान भरी थी, दोनों पायलट घायल, इंजन फेल होने की आशंका

गुना (एजेंसी)। गुना एयर स्ट्रिप पर टू सीटर एयरक्राफ्ट 152 दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह रविवार 11 अगस्त को दोपहर करीब 1 बजे टेस्ट फ्लाइट के लिए उड़ा था। करीब 40 मिनट उड़ने के बाद एयरक्राफ्ट परिसर में ही क्रैश हो गया। आशंका है कि हादसा इंजन फेल होने से हुआ। कैप्टन वी चंद्र ठाकुर और पायलट नागेश कुमार घायल हैं। मौके पर कैंट पुलिस सहित एकेडमी के अधिकारी मौजूद हैं।

संक्षिप्त समाचार

मणिपुर में पूर्व विधायक के घर पर बम विस्फोट

- पत्नी की हो गई मौत, पुलिस ने किया बड़ा खुलासा

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर से एक हैरान करने वाली खबर आई है। पुलिस ने रविवार को बताया कि सैकुल के पूर्व विधायक यमथोंग हाओकिप की पत्नी चारुबाला हाओकिप की मणिपुर के कांगपोकपी जिले में उनके घर पर

बम विस्फोट के बाद मौत हो गई। 59 वर्षीय चारुबाला हाओकिप मैतेई समुदाय से थीं और कुकी जोमी प्रभुत्व वाले कांगपोकपी जिले के एकौ मुलम में रहती थीं। 64 वर्षीय यमथोंग हाओकिप ने 2012 और 2017 में दो बार कांग्रेस के टिकट पर सैकुल सीट से जीत हासिल की थी। 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले वह बीजेपी में शामिल हो गए थे।

केजरीवाल का बंगला रेनोवेट करने वाले 3 इंजीनियर सस्पेंड

- आरोप-मॉडिफिकेशन के नाम पर नियमों का उल्लंघन किया, लागत बढ़ाकर दिखाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेंट्रल पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट ने तीन इंजीनियरों को सस्पेंड कर किया है। इन पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद

केजरीवाल के आधिकारिक आवास के रेनोवेशन में हुई कथित अनियमितताओं में शामिल होने का आरोप है। इन इंजीनियर्स ने चार और लोगों के साथ मिलकर केजरीवाल के कहने पर मॉडिफिकेशन के नाम पर कई नियमों का उल्लंघन किया।

नहीं रहे पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह

- 95 साल की उम्र में गुरुग्राम के अस्पताल में ली अंतिम सांस

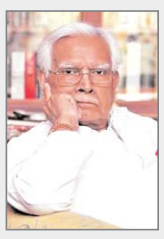

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपीए सरकार में विदेश मंत्री रहे और कांग्रेस के वरिष्ठ और कद्दावर नेता के. नटवर सिंह का शनिवार रात निधन हो गया। पारिवारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। वे 95 वर्ष के थे और गुरुग्राम के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। उन्हें करीब दो सप्ताह पहले गुरुग्राम में भर्ती कराया गया था। पूर्व राजनयिक सिंह 2004-05 में मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार में विदेश मंत्री थे।

घाटी में आतंकियों की घेराबंदी के लिए उतारे पैरा कमांडो

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई है। रविवार सुबह ही जम्मू भाग के किश्तवाड़ जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी हुई है। सूत्रों की मानें तो

- जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ में मुठभेड़, सुरक्षा बलों डाला घेरा

जैश आतंकियों का एक समूह फंस गया था। जिसको भारतीय सुरक्षा बलों द्वारा घेर लिया गया। जिसके बाद से ही दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हुई। इसी को लेकर सेना ने सर्च ऑपरेशन के लिए सेना ने पैरा कमांडो उतारे हैं। जम्मू के अंनतनाग में गोलीबारी के बाद से ही भारतीय सेना ने तलाशी और छापेमारी अभियान तेज कर दिए हैं। जानकारी के मुताबिक आतंकियों की घेराबंदी के लिए सेना पैरा कमांडो

सहित सैनिकों को तैनात किया गया है। जिस जंगल में मुठभेड़ चल रही है वह 15 किलोमीटर अंदर है। जहां से आतंकवादियों ने घात लगाकर हमला किया, जिसके बाद सेना ने तलाशी लेने के लिए पहुंची तो वहां आतंकियों ने ऊंची जमीन का फायदा उठाते हुए गोलीबारी शुरू कर दी। आतंकियों द्वारा की जा रही गोलीबारी कई जवान घायल हुए। वहीं सेना के दो जवानों की शहादत भी हुई है बल्कि 4 घायल है। इस ऑपरेशन में 2 स्थानीय नागरिक भी घायल हुए थे जिसमें से एक की मौत हो गई है। सेना द्वारा किए जा रहे सर्च ऑपरेशन को लेकर एक बयान भी जारी किया गया था। जिसमें सेना की ओर से कहा गया था कि विशेष खुफिया जानकारी के आधार भारतीय सेन, सीआरपीएफ और जेके पुलिस का संयुक्त अभियान शनिवार को कोकेरनाम में शुरू किया गया है। इस अभियान में दोनों तरफ से गोलीबारी भी हुई है। जिसमें दो सुरक्षाकर्मी घायल भी हुए हैं। बीते कुछ महीनों में जम्मू-कश्मीर इलाके में कई सेना और नागरिकों पर हमले हुए हैं। बीते 80 दिनों में 11 आंतकी हमले हुए हैं। इस दौरान कई जवानों और नागरिकों की मौत भी हुई है। सबसे महत्वपूर्ण बात ये है कि ऐसा माना जा रहा था कि सेना कश्मीर में शांति बहाल करा चुकी है। लेकिन बीते कुछ दिनों से हो रहे आतंकी घटनाओं को लेकर कहा जा रहा है कि अभी भी कश्मीर शांत नहीं हुआ है। वहीं इस बार आतंकी हमले जम्मू में भी हुए हैं। जिसको कश्मीर के अपेक्षा ज्यादा सुरक्षित माना जाता है।

देश में जाति व्यवस्था से 'एकजुट' रहा भारतीय समाज

- आरएसएस की पत्रिका पांचजन्य ने की जाति व्यवस्था की तारीफ

कहा-मुगलों-ईसाई मिशनरियों के निशाने पर रही है जाति व्यवस्था

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी के सांसद अनुराग ठाकुर ने हाल ही में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की जाति पूछी थी और इसे लेकर तब विवाद भी हुआ था। अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखपत्र पांचजन्य के

ताजा अंक में जाति व्यवस्था को सही ठहराने की कोशिश की गई है। पांचजन्य ने अपने संपादकीय में जाति व्यवस्था को भारतीय समाज को एकजुट रखने की वजह÷ बताया है। पांचजन्य ने कहा है कि मुगल शासक इसे नहीं समझ सके थे और अंग्रेज इसे भारत पर अपने आक्रमण के रास्ते में एक रुकावट समझते थे। पांचजन्य के संपादक हितेश शंकर की ओर से लिखे गए संपादकीय में कहा गया है कि जाति व्यवस्था एक श्रृंखला थी जिसने भारत के अलग-अलग वर्गों को उनके पेशे और परंपराओं के अलग-अलग होने के बाद भी उन्हें जोड़े रखा। औद्योगिक क्रांति के बाद पूंजीपतियों ने जाति व्यवस्था को भारत के पहरेदार के रूप में देखा था। हितेश शंकर ने संपादकीय में तर्क दिया है कि जाति व्यवस्था हमेशा आक्रमणकारियों के निशाने पर थी। मुगल शासकों ने तलवार के दम पर इसे निशाना बनाया और ईसाई मिशनरियों ने सेवा और सुधारों की आड़ में ऐसा किया। संपादकीय कहता है कि जाति के रूप में भारत के समाज ने सिर्फ एक चीज को समझा है कि जाति से दगा यानी देश से दगा।

जातिगत भेदभाव भारतीय समाज के लिए अभिशाप

आरएसएस ने अपनी स्थापना के बाद से ही अस्पृश्यता यानी अनटचैबिलिटी के खिलाफ अभियान भी चलाया है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कई बार कहा है कि जातिगत भेदभाव भारतीय समाज के लिए अभिशाप है और इसे खत्म कर दिया जाना चाहिए। संघ से जुड़े हुए लोग कई बार यह कहने में गर्व महसूस करते हैं कि वह अपने सहयोगियों की जाति नहीं जानते। पिछले साल मोहन भागवत ने कहा था कि नीची जातियों ने 2000 साल तक जिस तरह का भेदभाव झेला है उसकी भरपाई के लिए अगर आरक्षण को 200 साल तक भी जारी रखा जाता है तो संघ इसका समर्थन करेगा। हितेश शंकर ने अपने संपादकीय में तर्क दिया है कि पीढ़ी दर पीढ़ी जातियों को मिला हुआ यह एक ऐसा कौशल था जिसकी वजह से बंगाल के भारतीय बुनकर अपने काम में इतने शानदार थे कि मैनचेस्टर की मिलें इतनी बेहतर गुणवत्ता वाले उत्पाद नहीं बना सकती थीं।

डॉक्टर रेप-मर्डर केस

आरोपी ने कबूला अपना गुनाह मोबाइल में मिले पोर्न वीडियो

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के एक सरकारी मेडिकल कालेज में महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या का गुनहगार ने अपना गुनाह स्वीकार कर लिया है। पुलिस ने घटना के बाद ही शक के आधार पर उसे हिरासत में लिया था। पूछताछ के दौरान उसने अपने अपराध को स्वीकार कर लिया। पुलिस को

उसके मोबाइल में एक पोर्न वीडियो भी मिला है। उधर, इस मामले में टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने ऐसे रेपिस्टों का एनकाउंटर कर देने की सलाह दी है। आरोपी संजय रॉय पुलिस कल्याण बोर्ड में सहायक है। घटना की जांच के दौरान पुलिस को सीसीटीवी फुटेज में सुबह करीब 4 बजे वह अस्पताल के अंदर जाते दिखा। इस दौरान वह ईयरफोन लगाए हुए था। हालांकि फुटेज में दिखा कि जब वह लौट रहा था, तब उसके पास ईयरफोन नहीं था। फिलहाल कोर्ट ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64 (दुष्कर्म) और 103 (हत्या) के तहत आरोप लगाए गये हैं। इस मामले में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने आरोपी का सीधा एनकाउंटर कर देने को कहा। उन्होंने कहा कि बलात्कारियों और हत्यारों पर तत्काल केस चलाने और एक हफ्ते में सजा देने के लिए संसद में एक विधेयक पेश किया जाना चाहिए। उन्होंने महिला डॉक्टर की

- अभिषेक बनर्जी बोले- रेपिस्टों का कर दिया जाए एनकाउंटर

हत्या के बाद बीजेपी नेताओं के प्रदर्शन की भी निंदा की। कहा कि बीजेपी वालों को इसके बजाए मामले में तुरंत न्याय दिलाने के लिए केंद्र सरकार पर कानून बनाने का दबाव डालना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी संसद में विरोधी दल में होने पर भी इस विधेयक का समर्थन करेगी और इसे कांग्रेस तथा वामपंथी दलों का भी समर्थन मिल सकता है। बनर्जी ने कहा कि ऐसे कानून से केस के लंबा खिंचने पर रोक लगेगी। इससे करदाताओं का पैसा बचेगा। टीएमसी नेता ने कहा, ''बलात्कारी समाज में रहने लायक नहीं हैं और इन्हें या तो मुठभेड़ में मार गिराया जाना चाहिए या फिर फांसी पर लटकाया जाना चाहिए।''

5 किलो आलू दे दो!

- काम के बदले घूस में सब्जी मांगते दरोगा का ऑडियो वायरल

कन्नौज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कन्नौज में एक पुलिसकर्मी का ऑडियो वायरल हो रहा है। इसमें वह रिश्वत मांगता सुनाई पड़ रहा है। मजे की बात तो यह है कि ऑडियो में आरोपी रुपया-पैसा नहीं

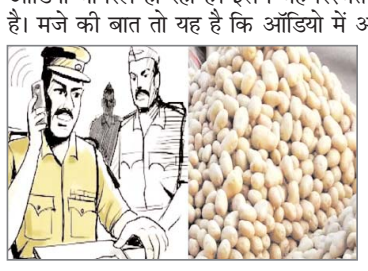

बल्कि सब्जी की मांग कर रहा है। यह मामला सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद एसपी ने चौकी प्रभारी को सस्पेंड कर दिया है। हालांकि अपना अखबार इस ऑडियो की पुष्टि नहीं करता है। कन्नौज के सौरिख थाना क्षेत्र के चौकी प्रभारी रिश्वत के तौर पर पांच किलोग्राम आलू मांग रहे थे। बातचीत का ऑडियो वायरल होने पर एसपी ने चौकी प्रभारी को निलंबित कर दिया। चपुन्ना-भावलपुर पुलिस चौकी में तैनात प्रभारी एसआई रामकृपाल का मोबाइल फोन से किसी से बात करने का ऑडियो वायरल हुआ है। एक मिनट 54 सेकंड के ऑडियो में आरोपी प्रभारी पांच किलो आलू की डिमांड कर रहा है। हालांकि इस अजब-गजब डिमांड पर फरियादी ने असमर्थता जताते हुए पांच की बजाय दो किलोग्राम आलू ही देने की बात कही है।

पूजा के बाद कुछ और आईएएस की जल्द बढ़ सकती हैं मुश्किलें

पुणे के आरटीआई एटीविस्ट को मिल गया जवाब

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र की बर्खास्त ट्रेनी आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर के मामले में बड़ा फर्जीवाड़ा उजागर होने के बाद दर्जनभर से अधिकारी दूसरे अधिकारियों की विकलांगता और सर्टिफिकेट पर सवाल खड़े हुए थे। पूजा खेडकर के मामले को सोशल मीडिया पर सबसे पहले बीड के रहने वाले वैभव कोकट ने पोस्ट किया था। तो वहीं दूसरी तरफ इस मामले में पुणे के आरटीआई एक्टीविस्ट विजय कुंभार ने काफी बड़े-बड़े खुलासे किए थे। इसके बाद पूजा खेडकर के खिलाफ एक्शन हुआ था। यूपीएससी ने उनकी उम्मीदवारी को रद्द किया था। अब सामने आया है कि कुछ और सिविल सेवा में चयनित अधिकारी जांच के दायरे में आ सकती है।

गुजरात में रडार पर हैं पांच अधिकारी

विजय कुंभार ने यह सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक आयोग गठित करने की मांग ऐसे वक्त पर उठाई है। जब सोशल मीडिया से लेकर कई नौकरशाहों ने यूपीएसपी की साख पर खड़े हुए वालों को दूर करने के लिए जांच की मांग हो रही है। गुजरात सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) में अपने स्तर पर जांच में पांच आईएएस का दोबारा मेडिकल कराने का फैसला किया है। इनमें दो आईएएस का मामला काफी सीरियस माना जा रहा है।

बांग्लादेश की सत्ता से मुझे हटाने के पीछे अमरीका की साजिश

- शेख हसीना का बड़ा आरोप, करीबी के जरिए बताई इस्तीफे की वजह

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अमेरिका पर उन्हें सत्ता से बेदखल करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि सेंट मार्टिन

द्वीप न देने के कारण उन्हें सत्ता से हटाने की योजना बनाई गई थी। इस द्वीप के मिलने से अमेरिका को बंगाल की खाड़ी पर प्रभाव जमाने में मदद मिलती। उन्होंने बांग्लादेश के लोगों को आगाह किया कि वे कट्टरपंथियों के बहकावे में न आएं। शेख हसीना ने अपने करीबी सहयोगियों के जरिए भेजे गए संदेश में हसीना ने ये बात कही है। शेख हसीना ने छात्रों के उग्र विरोध प्रदर्शन के बाद 5 अगस्त को पद से इस्तीफा देकर देश छोड़ दिया था। वे भारत में सुरक्षित स्थान पर रह रही हैं। संदेश में हसीना ने कहा, मैंने इस्तीफा दे दिया है।

संक्षिप्त समाचार

होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय में सोरायसिस रोग के नवीन रोगियों का पंजीकरण शुरू

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के शासकीय होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में सोरायसिस रोग के नवीन रोगियों का पंजीकरण शुरू किया गया है। रोगियों के उपचार के लिये आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल में आयुष विभाग के सहयोग से विशेष अनुसंधान एवं उपचार की इकाई संचालित की जा रही है। होम्योपैथी द्वारा सोरायसिस रोग को जड़ से खत्म करने के लिये पिछले कुछ वर्षों से कार्य किया जा रहा है। सोरायसिस के नये मामलों के पंजीकरण के लिये संस्थान कार्यालय में कार्यालयीन समय सुबह 10 से शाम 5 बजे तक सम्पर्क किया जा सकता है। संस्थान में रोगियों की सुविधा के लिये मोबाइल नम्बर 9630667239 और लेण्डलाइन नम्बर 0755-2992970 जारी किये गये हैं।

पोर्टल से आयुष्मान कार्ड बनाने की सुविधा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भारत सरकार के मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थ एंड फैमली वेलफेयर के पोर्टल लिंक के माध्यम से आयुष्मान कार्ड बना सकते है। इस लिंक पर जाकर सर्वप्रथम आपको आधार का ऑप्शन चुनना है आधार का ऑप्शन चुनने के बाद उसमें स्कीम पर (पीएमजेएवाई) चयन कर, राज्य का चयन करे (मध्यप्रदेश चुनेंगे) तदुपरांत अपना आधार नंबर डालेंगे। आधार नंबर डालने के बाद जिस मोबाइल नंबर से आधार लिंक है उस पर ओटीपी आएगा और उस ओटीपी को पोर्टल पर दर्ज कर देंगे आपका आयुष्मान कार्ड बन जाएगा। अगर उपरोक्त पोर्टल पर आपका नाम दर्ज नहीं है तो ऐसी स्थिति मे आप नजदीकी सीएससी सेंटर या लोक सेवा केन्द्र में जाकर संपर्क कर सकते है।

निःशक्त व्यक्तियों के लिए सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना लागू

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। निःशक्त व्यक्तियों के लिये सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना प्रदेश सरकार द्वारा संचालित है। योजना के तहत निःशक्त व्यक्तियों द्वारा सिविल सेवा की प्रारंभिक परीक्षा देने के लिये 20 हजार रूपये, मुख्य परीक्षा दिलाने के लिये 30 हजार रूपये और अंतिम चयन होने पर राज्य शासन द्वारा 20 हजार रूपये दिये जाते हैं। योजना का लाभ उन्हीं निःशक्तजनों को दिया जाता है, जो मध्यप्रदेश के मूल निवासी हैं। सिविल सेवा की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद परीक्षा परिणाम तक सहायता राशि दी जाती है। उन्हीं आवेदनों को सहायता दी जाती है जो 40 प्रतिशत या उससे अधिक निःशक्तता रखता हो मेडीकल बोर्ड का प्रमाण पत्र मान्य होगा।

मोबाइल एप द्वारा किसान बेच सकेंगे अपनी उपज

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। किसानों को कृषि उपज विपणन के क्षेत्र में अभिनव कदम उठाते हुए मोबाईल एप के माध्यम से अपनी कृषि उपज का विक्रय अपने घर, खलिहान, गोदाम से कराने की सुविधा प्रदान की गई है। सर्वप्रथम किसान अपने एंड्राइड मोबाईल पर प्ले स्टोर में जाकर मंडी बोर्ड भोपाल का मोबाईल एपडाउनलोड करना होगा तथा एप इंस्टाल कर कृषक पंजीयन पूर्ण करना होगा। फसल विक्रय के समय किसानों को अपनी कृषि उपज के संबंध में मंडी फसल, ग्रेड-किस्म, मात्रा एवं वांछित भाव की जानकारी दर्ज करना होगा। किसानों द्वारा अंकित की गई समस्त जानकारियां चयनित मंडी के पंजीकृत व्यापारियों को प्राप्त हो जाएगी तथा प्रदर्शित होगी। व्यापारी द्वारा फसल की जानकारी एवं बाजार की स्थिति के अनुसार अपनी दरें ऑनलाईन दर्ज की जाएगीं जिसका किसान को एप में मैसेज प्राप्त होगा। जिसके उपरांत आपसी सहमति के आधार पर चयनित स्थल पर कृषि उपज का तौल कार्य होगा। कृषि उपज का तौल कार्य होने के बाद ऑनलाईन सौदा पत्रक एवं भुगतान पत्रक जारी किया जाएगा और शासन, मंडी बोर्ड के नियमानुसार नगर या बैंक खाते में भुगतान किया जाएगा। इस प्रकार किसान मोबाईल एप के माध्यम से मंडी में आए बिना अपने घर, गोदाम, खलिहान से भी अपनी कृषि उपज का विक्रय कर सकते हैं। इस एप किसान प्रदेश की मंडियों में विक्रय की जाने वाली उपजों के दैनिक भाव की जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं। किसानों से इस एप को अपने एंड्राइड मोबाईल में इंस्टाल कर राज्य शासन एवं मंडी बोर्ड की इस अभिनव पहल का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की गई है।

मातृ वंदना योजना का लाभ लेने की अपील

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना मजदूरी करने वाली गर्भवती महिलाओं को मजदूरी के नुकसान की भरपाई करने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा लागू की गई है। मातृ वंदना योजना में मजदूरी करने वाली गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने की वाली माताओं के स्वास्थ्य में सुधार और उनकों नकदी प्रोत्साहन के माध्यम से अधीन पोषण के प्रभाव को कम करना है। योजना के लाभ की राशि डीबीटी के माध्यम से लाभार्थी के बैंक खाते में स्थानांतरित की जाती है। योजना में गर्भवती महिलाओं को पहली किस्त के रूप में एक हजार रूपए पंजीकरण के समय दी जाती है।

दूरस्थ अंचलों तक बेसिक लाइफ़ सपोर्ट की जागरूकता आवश्यक-राज्यपाल पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि आपातकालीन चिकित्सा में फर्स्टऑवर अर्थात गोल्डन ऑवर बहुत महत्वपूर्ण होता है। इस अवधि में त्वरित और सटीक मेडिकल सहायता से कई लोगों को जीवन दान मिल सकता है। इसलिए दूरस्थ ग्रामीण अंचलों तक बेसिक लाइफ़ सपोर्ट की जागरूकता आवश्यक है। स्वास्थ्य कर्मियों को भी आपातकालीन चिकित्सा के नवीनतम प्रोटोकॉल्स से अपडेट करें। राज्यपाल श्री पटेल इमरजेंसी मेडिसिन के 20वें राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल श्री पटेल ने आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को प्रभावी बनाने और चिकित्सा नवाचारों के लिए एम्स और आयोजकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कॉन्फ्रेंस में विद्वानों और विशेषज्ञों के मंथन से आपातकालीन चिकित्सा की बेहतरी के लिए जो समाधान और सुझाव रूपी अमृत निकला है, उसे समाज को ज्यादा से ज्यादा बांटने का प्रयास करें।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश के लिए हेल्थकेयर विशेष रूप से इमरजेंसी हेल्थकेयर एक चुनौती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इमरजेंसी हेल्थ केयर की चुनौतियों के समाधान का व्यापक स्तर पर प्रयास किया जा रहा है। एडवांस लाइफ़ सपोर्ट, बेसिक लाइफ़ सपोर्ट, एम्बुलेंस आदि सेवाओं को बेहतर किया जा रहा है। प्रदेश सरकार भी आपातकालीन चिकित्सा सेवा के नये केंद्रों की स्थापना और अत्याधुनिक चिकित्सा सेवा की दिशा में कार्य कर रही है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में लोगों को जागरूक बनाने साइक्लोथॉन प्रभावी माध्यम है। उन्होंने एम्स भोपाल की इस पहल की सराहना की।

राज्यपाल श्री पटेल ने आशा व्यक्त की कि साइक्लोथॉन का आयोजन आपातकालीन चिकित्सा के प्रति समाज में सकारात्मकता के प्रसार में सफल होगी। साथ ही इमरजेंसी मेडिसिन के क्षेत्र में एम इंडिया-2024 भी मील का पत्थर साबित होगा। सांसद भोपाल श्री आलोक शर्मा ने बेसिक लाइफ सपोर्टपर आधारित आयोजन और जीवन रक्षा की जन-जागरूकता के प्रयासों के लिए एम्स भोपाल को बधाई दी।

मप्र में बढ़ेगा एक और राष्ट्रीय उद्यान, रातापानी अभयारण्य को केंद्र सरकार की हरी झंडी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में एक और राष्ट्रीय उद्यान बढ़ने जा रहा है। मध्य प्रदेश के इस आठवें टाइगर रिजर्व को केंद्र सरकार के राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की सैद्धांतिक स्वीकृति मिल गई है। अब जल्द ही राजधानी भोपाल से सटे रातापानी और सिंघौरी अभयारण्य को मिलाकर नया टाइगर रिजर्व अस्तित्व में आएगा। केवल औपचारिकताएं शेष हैं। समझा जा रहा है कि राज्य सरकार जल्द ही रातापानी को नया टाइगर रिजर्व बनाने की घोषणा कर सकती है। रातापानी टाइगर रिजर्व के लिए केंद्र सरकार 60 प्रतिशत बजट उपलब्ध कराएगी और 40 प्रतिशत राज्य का अंश होगा। टाइगर रिजर्व के लिए अभयारण्य की सीमा के अंदर स्थित 823.065 वर्ग किमी वन क्षेत्र को रातापानी टाइगर रिजर्व घोषित किया जाएगा। बता दें कि मध्?य प्रदेश में आठवें टाइगर रिजर्व को बनाने का प्रस्ताव वर्ष 2008 से लंबित चल रहा है। केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव भी रातापानी को टाइगर रिजर्व बनाने के लिए मध्य प्रदेश सरकार से आग्रह कर चुके हैं। जानकारों के अनुसार रातापानी अभयारण्य के टाइगर रिजर्व बनने से मध?य प्रदेश में पर्यटन बढ़ेगा। यहां से सटे क्षेत्रों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। भोपाल तक फ्लाइट कनेक्टिविटी होने से पर्यटकों और स्थानीय लोगों को इसका लाभ मिलेगा। स्थानीय लोगों के लिए रोजगार संभावनाएं बढ़ेगी। इसके नुकसान भी होंगे, जैसे कि अभयारण्य क्षेत्र में लघु वनोपज का संग्रहण नहीं किया जा सकेगा। इस अभयारण्य में वर्ष 2022 की गणना के अनुसार कुल तीन हजार 123 वन्यप्राणी हैं। इनमें 56 बाघ, 70 तेंदुए, आठ भेडिया, 321 चिंकारा, 1433 नीलगाय, 568 सांभर और 667 चीतल हैं। रातापानी अभयारण्य क्षेत्र में कई नेताओं एवं अधिकारियों की जमीनें, रिसोर्ट एवं क्रेशर हैं इसके अलावा, इस अभयारण्य के वनमंडल ओबेदुल्लागंज के अंतर्गत 31 ग्राम एवं सीहोर वनमंडल के छह ग्रामों तथा भोपाल वनमंडल के एक ग्राम की सहमति अभी तक नहीं मिल पाई है।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में 70 हजार पदों पर अतिथि शिक्षकों की भर्ती की जाएगी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में करीब 70 हजार पद खाली हैं। इस कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। स्वतंत्रता दिवस के बाद स्कूलों में शिक्षकों के खाली पदों पर अतिथि शिक्षकों की ज्वाइनिंग करा ली जाएगी। तीनों वर्गों में अतिथि शिक्षकों की भर्ती 20 अगस्त तक पूरी कर ली जाएगी।

स्कूल शिक्षा विभाग ने स्कूलों में शिक्षकों के रिक्त पदों की पूर्ति के लिए अतिथि शिक्षकों के आमंत्रण प्रक्रिया की तारीख बढ़ा दी है।अब आमंत्रण प्रक्रिया 17 अगस्त बढ़ा दी है। इसके तहत शैक्षणिक सत्र 2023-24 में जिन स्कूलों में अतिथि शिक्षक को आमंत्रित किया गया है और पोर्टल पर रिक्त पद प्रदर्शित हैं। वहां जीएफएमएस पोर्टल पर ज्वाइनिंग की प्रविष्टि के लिए प्रक्रिया तय की गई है। अतिथि शिक्षक द्वारा जीएफएमएस पोर्टल पर ज्वाइनिंग दर्ज करना और स्कूल प्रभारी से प्राप्त ज्वाइनिंग पत्रक की प्रति को पोर्टल पर अपलोड करने की प्रक्रिया 17 अगस्त

तक होगी। स्कूल प्रभारी द्वारा जीएफएमएस पोर्टल पर ज्वाइन किए अतिथि शिक्षक का प्रमाणीकरण भी होगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने निर्देशित किया गया है कि स्कूल में उपलब्ध पैनल में से उन अतिथि शिक्षकों को सेवा रखने में वरीयता दी जाएगी,जो पिछले साल भी कार्य कर चुके हैं। हालांकि ऐसे शिक्षकों की ज्वाइनिंग प्रक्रिया को लेकर नाराजगी सामने आ रही है। विभाग ने तय किया है कि अपनी लागिन आइडी से पिछले साल दी गई ज्वाइनिंग मान्य की जाएगी।

पौध-रोपण कर पेड़ बनने तक उनका संरक्षण करें -उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का महत्वपूर्ण अभियान 'एक पेड़ मां के नाम' पूरे देश में चल रहा है और उनकी मंशा अनुरूप हम सब पौध-रोपण कर पेड़ बनायें। इससे बड़ा कोई पुण्य का काम हो ही नहीं सकता है। उन्होंने कहा कि इस अभियान को हल्के में न लें और इस काम को औपचारिकता न निभायें, दिल से एक पेड़ मां के नाम अभियान को साकार कर प्रत्येक व्यक्ति पौधारोपण करे। जहां जगह मिले वहां पौधारोपण करें, ताकि इससे दूसरों को भी प्रेरणा मिलेगी। इस अभियान में सबकी

सहभागिता होना आवश्यक है। नागदा के महिदपुर रोड स्थित नवीन कृषि उपज मंडी परिसर में वृहद पैमाने पर पौध-रोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा, सांसद श्री अनिल फिरोजिया, क्षेत्रीय विधायक डॉ.तेजबहादुर सिंह चौहान, असंगठित कामगार मण्डल के पूर्व अध्यक्ष श्री सुल्तान सिंह शेखावत, पूर्व विधायक श्री लालसिंह राणावत आदि की उपस्थिति में नवीन कृषि उपज मंडी परिसर में विधि-विधान के साथ पूजन-अर्चन कर बरगद, पीपल एवं नीम की त्रिवेणी का रोपण किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि भावनात्मक दृष्टि से हम सब मिलकर वृहद पैमाने पर पौधारोपण कर पेड़ बनने तक उनका संरक्षण अनिवार्य रूप से करें, तभी हमारा पर्यावरण सुरक्षित रह पायेगा और हमारे जीवन के लिये ऑक्सीजन मिलती रहेगी। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि हम सबने कोरोनाकाल की भयावह बीमारी को नजदीकी से देखा है और परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि इस प्रकार के दिन पुनः अब नहीं आये। उस दौरान पीड़ित व्यक्ति इधर-उधर ऑक्सीजन की तलाश में भटकते थे। इस दृश्य को हम सबने देखा और सुना था।

सरकारी स्कूलों के छात्रों को उनकी श्रेणी की जगह मेरिट के अनुसार मिलेगी सीट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सरकारी स्कूल से पढ़े विद्यार्थियों को उनकी कैटेगरी में सीट नहीं मिलेगी, बल्कि मेरिट के आधार पर उन्हें उस पात्र कैटेगरी में सम्मिलित किया जाएगा। उदाहरण के तौर पर भले ही कोई अभ्यर्थी आरक्षित श्रेणी का है, लेकिन वह मेरिट में अनारक्षित की बराबरी में है तो उसे इसी में रखा जाएगा और सीट आवंटित की जाएगी। प्रदेश के सरकारी और निजी मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में एमबीबीएस और बीडीएस में

प्रवेश के लिए पंजीयन की प्रक्रिया 12 अगस्त (सोमवार) से प्रारंभ होने जा रही है, जिसमें इस परिवर्तन को शामिल किया गया है। उल्लेखनीय है सरकारी स्कूल से पढ़ने वाले विद्यार्थियों को एमबीबीएस सीटों में 5 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिलता है। इसमें वह विद्यार्थी पात्र होते हैं, जिन्होंने शासकीय स्कूल में कक्षा 6वीं से 12वीं तक नियमित अध्ययन कर परीक्षा उत्तीर्ण की हो या फिर आठवीं तक निजी स्कूल में पढ़ने के बाद 9वीं से 12वीं तक शासकीय स्कूल में अध्ययन किया हो। अभ्यर्थियों के हित में इस वर्ष एक बार मापअप चरण के पहले भी पंजीयन का विकल्प दिया जाएगा। पिछले वर्ष तक ऐसी व्यवस्था नहीं थी। दूसरा यह कि पहले चरण में आवंटित सीट पर प्रवेश नहीं लेने वाले को भी दूसरे चरण में अवसर दिया जाएगा। अनिवार्य ग्रामीण सेवा बंधपत्र में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

टीआरपी बटोरने के लिए रियलिटी शो में बनाए जाते हैं डॉक्टर्ड वीडियो - कुणाल गांजावाला

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। रियलिटी शो उतने रियल नहीं होते हैं, जितने कि टीवी पर दिखाई पड़ते हैं। इन दिनों डॉक्टर्ड वीडियो (वास्तविक वीडियो के साथ छेड़छाड़ करना) बनाने की बात आम लोगों तक पहुंच रही है, लेकिन रियलिटी शो के लिए ये कोई नई बात नहीं है। कुणाल गांजावाला ने कहा कि जब मैं श्रेया घोषाल और प्रीतम के साथ एक शो जज करता था, तब भी ये होता था कि जहां से ज्यादा वोट्स आ रहे हैं, वहां के प्रतिभागी के लिए प्रमोट किया जाए। परंतु हम तीनों ने इस बात को मना कर दिया था। क्योंकि हम सिर्फ उसे ही सपोर्ट करेंगे, जो अच्छा गाता है। इसलिए मुझे लगता है कि शो में डॉक्टर्ड वीडियो काफी लंबे समय से चल रहे हैं। हां कई शो में पूरी तरह नहीं होते, आंशिक रूप से उन्हें मिलाया जाता है। यह कहना है गायक कुणाल गांजावाला का। वे शनिवार को भोपाल के रवींद्र भवन में एक कार्यक्रम में प्रस्तुति देने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने नवदुनिया से विशेष चर्चा की। कुणाल बताते हैं कि मैं सीए बनना चाहता था, इत्तेफाकन सिंगर बना, जिसने न कभी स्कूल के मंच पर गाया और न कोई सुर का ज्ञान।

1990 में जब आशिकी फिल्म आई थी तो कॉलेज के फर्स्ट ईयर में पढ़ने के दौरान उसी फिल्मों के गानों पर बाथरूम में सीटी बजा रहा था। बाहर आया तो सीनियर्स ने रैगिंग लेना शुरू कर दी और गाने के लिए बोला। मरता क्या न करता, गाना गाया तो उनको अच्छा लगा और दो महीने बाद होने वाले इवेंट में मुझे सिंगर के तौर पर प्रस्तुत किया गया। वहीं से इंटर कालेज प्रतियोगिताओं में भाग लिया, साथ ही जिंगल्स गाने भी शुरू कर दिए। यहां से जो सफर चला, वो अब तक कायम है। कुणाल उन गिने-चुने गायकों में शामिल हैं, जिन्होंने साउथ के दो महान संगीतकार इलैयाराजा और एआर रहमान के साथ काम किया है। कुणाल बताते हैं कि उनके साथ काम करना सौभाग्य की बात है। दोनों की कार्यशैली बिल्कुल अलग है। राजा सर सुबह चार बजे उठकर पांच बजे स्टूडियो पहुंच जाते थे और छह बजे से काम शुरू कर देते थे। वहीं, एआर सर रात में काम करते थे। दोनों के पास रिकार्डिंग से पहले उनके असिस्टेंट्स गायकों को मेलोडी सिखा देते हैं, ताकि वो जब आएं तो आप गाने के लिए तैयार रहें। राजा सर ओल्ड स्कूल हैं, जहां उनको पता होता है कि उनको गाने में क्या चाहिए। वहीं, एआर सर सिंगर की पूरी रिकॉर्डिंग करते हैं। क्योंकि वो मैजिक में विश्वास रखते हैं कि पता नहीं, कब क्या अच्छा निकल आए। एआई से सिंगरों को मिलने वाली चुनौतियों पर कुणाल ने कहा कि एआई कभी भी सिंगर को समस्या नहीं दे सकता। क्योंकि उसके पास इमोशन नहीं है, सिर्फ तकनीक है। यदि एआई फिल्म इंडस्ट्री में आ भी गया तो ह्यूमन रिप्लेसमेंट नहीं कर सकता। मुझे और मेरे जैसे सिंगरों को किसी बात की चिंता नहीं है। मान लीजिए, कल रोबोट क्रिकेट खेलने लगे तो क्या उनको देखने लोग जाएंगे। क्या उनकी डाइव लगाने पर खून निकलेगा, लोगों के इमोशन जुड़ेंगे।

देश में मप्र और मप्र में शिवपुरी आगे

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश देश में प्रधानमंत्री आदिवासी जनमन महाभियान में विशेष रूप से पिछड़े जनजातीय परिवारों के लिये पक्का आवास बनाने में सबसे आगे है। मध्यप्रदेश में कुल 1 लाख 13 हजार 433 जनमन आवास स्वीकृत हुए थे। इनमें से 22 हजार 619 आवास बनाकर मध्यप्रदेश देश में पहले स्थान पर है। उडीसा 1620 आवासों के साथ दूसरे, छत्तीसगढ़ 526 आवास बनाकर तीसरे और राजस्थान 87 आवास बनाकर चौथे स्थान पर है। प्रदेश में शिवपुरी में सबसे ज्यादा 4 हजार 443 आवास बने हैं। उमरिया 3 हजार 264 आवास बनाकर दूसरे और शहडोल 3 हजार 164 आवासों के साथ तीसरे, मंडला 2 हजार 112 आवासों के साथ चौथे और अनूपपुर 1 हजार 891 के साथ पांचवे स्थान पर है। इसके साथ ही देश की पहली प्रधानमंत्री जनमन कालोनी शिवपुरी में बनाकर मध्यप्रदेश ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल शिवपुरी जनपद पंचायत की हातौद, कोटा और डबिया ग्राम पंचायतों में बनी देश की पहली पीएम जनमन कॉलोनी का निरीक्षण

किया। उन्होने नए पीएम जनमन आवास के सहरिया जनजाति के हितग्राही परिवारों से चर्चा की और नया घर मिलने की बधाई दी। सहरिया परिवार की बहनों ने उन्हें राखी बांधी।

श्री पटेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की ओर से भी हितग्राही परिवारों को बधाई और शुभकामनाएं दी। पंचायत मंत्री ने कहा कि देश में सबसे पहला जनमन आवास बनाने वाला जिला शिवपुरी है और सबसे पहले जनमन कॉलोनी बनाने का रेकार्ड बनाने वाला जिला भी शिवपुरी है। इस उपलब्धि के लिए सभी अधिकारियों की टीम को उन्होने बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जी द्वारा प्रधानमंत्री आदिवासी न्याय महाअभियान शुरू होने के 23 दिन के भीतर ही शिवपुरी में पहला आवास बन गया था और 29 दिनों में छिंदवाड़ा में दूसरा आवास बना7 उन्होंने हितग्राही सहरिया परिवारों से आग्रह किया कि पक्का घर मिलने के साथ ही बच्चों की पढ़ाई पर और ज्यादा ध्यान दें।

राष्ट्र वाद भाजपा की आत्मा, हर घर शान और उत्साह के साथ लहराए तिरंगा : महामंत्री

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरी दुनिया में भारत का तिरंगा लहरा रहा है। तिरंगा हमारी पहचान है और हर भारतवासी का गौरव है। इसे देखकर हर देशवासी के मन में राष्ट्रीयता की भावना जागृत हो जाती है। इसी दृष्टि से भारतीय जनता पार्टी द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। पहले तिरंगा कुछ चुनिंदा लोगों की जागीर बना हुआ था, किंतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तिरंगे को हर भारतीय के लिए सहज और सरल ढंग से शान के साथ उपलब्ध कराया। उक्त आशय के विचार भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश के प्रदेश महामंत्री और रीवा संभाग के संभागीय संगठन प्रभारी रणवीर सिंह रावत ने भाजपा जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता और लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा, सीधी विधायक रीती पाठक, जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह, जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र मणि दुबे, सह जिला मीडिया प्रभारी डॉक्टर मनीला सिंह चौहान की विशिष्ट उपस्थिति में आयोजित पत्रकार वार्ता को

संबोधित करते हुए कही।

प्रदेश महामंत्री रावत ने कहा कि लगभग एक सप्ताह का यह अभियान 11 अगस्त से शुरू होकर 15 अगस्त तक चलेगा। हर घर तिरंगा अभियान में सरकार, समाज के साथ पार्टी संगठन की भूमिका होगी। समाज का हर वर्ग इस अभियान में सहभागिता करे, इसकी चिंता पार्टी कार्यकर्ता करेंगे। प्रदेश महामंत्री रावत ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत तिरंगा यात्राओं और महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण के साथ होगी। युवा मोर्चा द्वारा 11, 12 व 13 अगस्त को प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा में तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया जाएगा। 12, 13, 14 अगस्त को स्वतंत्रता सेनानियों के स्मारकों पर माल्यार्पण किया जाएगा।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित होगा विभीषिका दिवस: भाजपा प्रदेश महामंत्री रणवीर सिंह ने कहा कि सत्ता लोलुप एवं स्वार्थी नेताओं ने देश का विभाजन 15 अगस्त की पूर्व संध्या पर किया। जिसकी स्मृति में इस अभियान के दौरान 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका दिवस मनाया जाएगा। देश के विभाजन की विभीषिका में करीब 1.5 करोड़ परिवार विस्थापित हुए, लगभग 6 लाख लोग मारे गए। 1 लाख से अधिक महिलाओं से दुष्कर्म की घटनाएं हुईं, लेकिन ये काला अध्याय अधिकांश युवाओं की जानकारी में नहीं है। विभाजन की त्रासदी से देशवासियों को अवगत कराने तथा इसके लिए जिम्मेदार विघटनकारी ताकतों के प्रति देश को सतर्क करने के उद्देश्य से 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका दिवस पर प्रदर्शनियों, गोष्ठियों तथा अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

राष्ट्रवाद भाजपा की आत्मा: भाजपा प्रदेश महामंत्री रणवीर सिंह रावत ने कहा कि राष्ट्रवाद भाजपा की पंच निष्ठाओं में से पहली निष्ठा है। हर घर तिरंगा अभियान भारत के स्वाभिमान एवं देश की शान तिरंगे को हर घर फहराने की राष्ट्र प्रेम की उस भावना को जागृत करने के इस अभियान में पार्टी ही नहीं बल्कि समाजए देश और प्रदेश की जनता की सहभागिता को भी सुनिश्चित करना है।

हर घर पहुंचे तिरंगा, बने शान.. डॉ राजेश मिश्रा: लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि हर घर कि शान तिरंगा होनी चाहिए। जब शान से हमारे घरों में तिरंगा लहराएगा, तो हमारे अंदर राष्ट्रभक्ति का जुनून पैदा होगा। जो नई पीढ़ी को नई प्रेरणा देगा, साथ में आजादी की कीमत भी जानेंगे। नई पीढ़ी उत्साह और उमंग के साथ तिरंगा अभियान में शामिल हो।

तिरंगा अभियान से होगा राष्ट्रभक्ति का जागरण .. रीती पाठक: सीधी विधायक रीती पाठक ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मोहन यादव की मंशा है कि हर भारतीय तिरंगा अपने घरों में शान के साथ फहराएं। उत्साह और अनुशासन के साथ अपने-अपने घरों में तिरंगा ध्वज लगाकर राष्ट्रभक्ति के त्योहार में रंग जाएं। इस दौरान विधानसभा स्तर की बाइक रैली भी निकल जाएगी। पत्रकार वार्ता का संचालन जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र मणि दुबे और आभार प्रदर्शन जिला सह मीडिया प्रभारी डॉ मनीला सिंह चौहान ने किया।

रिमझिम बारिश के बीच भाजपा ने निकाली तिरंगा यात्रा

प्रदेश महामंत्री, सांसद, विधायक हुए शामिल

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी ने सीधी विधानसभा स्तरीय तिरंगा बाइक रैली रिमझिम बारिश के बीच पूरे जोश और उत्साह के साथ भारत माता की जय, वंदे मातरम के उद्घोष से युक्त बाइक रैली निकाली।

बाइक रैली का मध्य प्रदेश भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं जिला संभागीय संगठन प्रभारी रणवीर सिंह रावत, लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा, भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान, सीधी विधायक रीती पाठक नेतृत्व करते हुए दिखाई दिए। तिरंगा बाइक रैली स्थानीय पूजा पार्क से प्रारंभ होकर अस्पताल चौक, जोगीपुर बाईपास, मडरिया बाईपास, सीधी रीवा बाईपास होते हुए न्यू बस स्टैंड, संजय संजय गांधी महाविद्यालय, स्थानीय अंबेडकर चौक से होते हुए अस्पताल चौक और पूजा पार्क में नुक्कड़ सभा के रूप में परिवर्तित हुई। जहां भाजपा जिला अध्यक्ष, सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा, विधायक रीती पाठक ने तिरंगा मोटरसाइकिल रैली में आए हुए सभी गणमान्य व्यक्तियों, पार्टी पदाधिकारियो एवं कार्यकर्ताओं के साथ-साथ प्रशासन का आभार ज्ञापित किया।

देशभक्ति का जोश रहा हाई : तिरंगा यात्रा के दौरान प्रदेश महामंत्री रणवीर सिंह रावत, भाजपा जिला अध्यक्ष, सांसद डॉक्टर, विधायक बीच.बीच में हुई जबरदस्त बारिश के बीच तिरंगा यात्रा जारी रखते हुए जबरदस्त उत्साह के साथ भारत माता की जय के उद्घोष करते हुए दिखाई दिए। बारिश के कारण पूरे गीले होने के बावजूद भी बारिश के कारण कोई भी व्यक्ति तिरंगा यात्रा से बाहर नहीं गया बल्कि दुगुने उत्साह के साथ भारत माता की जय का उद्घोष करते हुए दिखाई दिए। जो जन सामान्य में चर्चा का विषय रहा। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ सैकड़ो लोग तिरंगा बाइक रैली में शामिल हुए।

जिले में औसत वर्षा 719.8 मि.मी. दर्ज, सर्वाधिक वर्षा कुसमी में

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 11 अगस्त को सीधी जिले में 13.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 42.6 मि.मी., चुरहट में 2.2 मि.मी., गोपद बनास में 6.4 मि.मी., सिहावल में 9.0 मि.मी., बहरी में 11.2 मि.मी., मझौली में 21.0 मि.मी. और कुसमी में 4.0 मि.मी. वर्षा हुई है।

उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 719.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 01 जून से 11 अगस्त तक तहसील कुसमी में सर्वाधिक वर्षा 912.0 मि.मी. दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 818.8, चुरहट में 625.0, गोपद बनास में 669.6, सिहावल में 689.8, बहरी में 658.4 और मझौली में 665.0 मि.मी. औसत वर्षा हुई है जबकि गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 468.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई थी।

ब्लैकमेलिंग के आरोपी को पुलिस ने भेजा जेल

मामले में दो महिलाओं सहित 3 लोग गिरफ्तार, झूठे केस में फंसाने की धमकी का आरोप

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। सिटी कोतवाली थाना पुलिस ने रविवार की शाम 4 बजे आपत्तिजनक वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग कर रही दो महिलाओं सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्रवाई की है। पुलिस ने बताया कि 8 अगस्त को फरियादी (50) निवासी थाना क्षेत्र अजयगढ़ जिला पन्ना जो बोरवेल मशीन का काम करता है।

उससे दो महिला और एक पुरुष द्वारा अपने पास बुलाकर एक आपत्तिजनक वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग कर बार-बार पैसे मांगने पर सिटी कोतवाली थाने में शिकायती की थी। जिसके बाद पुलिस ने सम्बंधित के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की जबरन वसूली और संबंधी विभिन्न धाराओं

में अपराध दर्ज किया गया था।

रिपोर्ट के बाद पुलिस द्वारा उक्त प्रकरण पर विभिन्न पहलुओं में जांच की गई, बारीकी से निरीक्षण कर भौतिक एवं तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए गए। फरियादी, साक्षियों के कथनों, एकत्रित साक्ष्यों के अनुसार प्रकरण की दो महिला एवं एक पुरुष आरोपी द्वारा फरियादी को फोन कर अपने पास बुलाकर आपत्तिजनक वीडियो और ब्लैकमेल कर बार-बार पैसे मांगे जा रहे थे। आरोपियों द्वारा फरियादी से पहले 32 हजार रुपए और ऑनलाइन राशि ली गई थी उसके बाद दोबारा 20 लाख रुपए और मांगे जा रहे थे।

थाना पुलिस और महिला पुलिस अधिकारी ने कार्रवाई की

1. शकील अहमद निवासी करतल नरैनी जिला बांदा उत्तर प्रदेश
2. महिला आरोपी इंद्रा देवी यादव ग्राम पुतरी खेरा थाना भगवा जिला छतरपुर
3. महिला आरोपी पूजा दुबे निवासी कुलपहाड़ जिला महोबा उत्तर प्रदेश

को गिरफ्तार कर अभिरक्षा में लिया गया।आरोपियों ने योजनाबद्ध तरीके से ब्लैकमेलिंग कर जबरन वसूली करना स्वीकार किया। आरोपी शकील अहमद पर जिला बांदा में आत्महत्या के लिए उकसाने और मारपीट से जुड़े दो अपराध पूर्व से दर्ज है। सिटी कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद कुजूर ने बताया कि फरियादी की शिकायत पर उसके आपत्तिजनक वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग करने वाली दो महिलाओं सहित एक पुरूष आरोपियों को न्यायालय पेश कर जेल भेज दिया गया है।

छात्रावास पहुंचकर जिला पंचायत सदस्य ने चखा रुचिकर भोजन, किया वृक्षारोपण

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। आदिवासी छात्रावासो मे केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के द्वारा निःशुल्क शिक्षा के साथ.साथ छात्रावासो में रहने बाले छात्र छात्राओं को रुचिकर भोजन प्रदाय किये जाने की व्यवस्था की गई है। जिसका सुचारू रूप से क्रियान्वयन पालन हो रहा है या नही इसके लिए समस्त जिला एवं खण्ड अधिकारियो कर्मचारियो को निरीक्षण करने के निर्देश दिये गये है, इसमे शासन का उद्देश्य सिर्फयह है कि आदिवासी छात्र छात्राओ को स्पेशल भोज मिलता रहे। जिससे छात्र एवं उनके अभिवावक छात्रावासो मे बच्चो को भेजे और उनको अच्छी से अच्छी शिक्षा प्राप्त करने का माहौल मिल सके। इस उद्देश्य का फॉलोअप करते हुए कुसमी जिला पंचायत सदस्य वर्तमान सीधी जिला कृषि स्थाई समिति की सभापति हीराबाई सिंह आदिवासी विकासखंड कुसमी के मुख्यालय स्थित शासकीय आदिवासी उत्कृष्ट सीनियर बालक छात्रावास कुसमी में निरीक्षण करने पहुंची और रूचिकर भोजन चखा।

परिषर मे किया वृक्षारोपण: जिला पंचायत सदस्य हीराबाई सिंह के द्वारा आदिवासी सीनियर छात्रावास परिसर में एक पेड़ मां के नाम के संबंध पर छात्रों को जानकारी देते हुए पौधारोपण किया एवं छात्रों को वृक्षारोपण के महत्व संबंध पर जानकारी दी गयी।

फायरिंग कर हत्या का प्रयास के आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने 5 लोगों को भेजा जेल, 3 अभी भी फरार

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। सिटी कोतवाली थाना पुलिस ने रविवार की शाम 5 बजे फायरिंग कर हत्या का प्रयास करने वाले 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर जुलूस निकालकर जेल भेजने की कार्रवाई की है। पुलिस ने बताया कि 7 अगस्त की दोपहर में फौलादी कलम तिराहा में एक 13 वर्षीय बालक को गोली लगने की सूचना प्राप्त हुई थी।

पुलिस मौके पर पहुंची, घटना में घायल बालक को इलाज के लिए चिकित्सालय पहुंचाया गया। घटनास्थल का भौतिक निरीक्षण, एकत्रित साक्ष्य,पीड़ित और साक्षियों के कथनों के आधार पर आरोपी आदिल खान निवासी सबनीगर मोहल्ला और उसके साथियों में विवाद हुआ था। जिसमें फायरिंग करने से

वहां से गुजर रहे बालक के पैर में गोली लगी थी। जिसके बाद फरियादी की रिपोर्ट पर पुलिस ने हत्या का प्रयास करने वाले 8 नामजद आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत हत्या का प्रयास का मामला विभिन्न धाराओं में अपराध कायम किया गया था।

पुलिस ने इन आरोपियों के खिलाफ लिया एक्शनः- 1. मनु सिंह उर्फ अक्षय राजा बुंदेला, 2. तहजीब खान, 3. भूरा खान, 4. ऋतुराज परमार, 5. बिट्टू मिश्रा निवासी छतरपुर को गिरफ्तार कर अभिरक्षा में लिया गया।

आरोपियों को न्यायालय पेश कर जेल भेजा जा रहा है। हत्या के प्रयास में शामिल आरोपी जुल्फी खान के खिलाफ मारपीट और अवैध हथियार संबंधी 2 अपराध, तहजीब खान के खिलाफ मारपीट और छेड़छाड़ के 2 अपराध पहले से दर्ज हैं।

खाना खाने गए परिवार का घर जलकर खाक

मड़ैयन गांव में बछड़े की मौत, भैंस घायल, टेंट और गृहस्थी का सामान राख

मीडिया ऑडीटर, पन्ना निप्र। पन्ना कोतवाली थाना क्षेत्र की इटवांकला पंचायत के ग्राम मड़ैयन में शनिवार रात को एक टेंट व्यवसायी के घर आग लग गई। हादसे में एक भैंस जलकर घायल हो गई वहीं बछड़े की मौत हो गई। घर में रखा टेंट और गृहस्थी का सामान भी जल गया। सूचना के बाद सुबह मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना लिया और पंचनामा बनाकर आग लगने के कारण का पता लगाने में जुट गई।

जानकारी के अनुसार मड़ैयन गांव निवासी रामरतन पिता प्रसाद कुशवाहा (38) के सूने मकान में शनिवार की रात्रि करीब 10 बजे आग गई। मकान मालिक रामरतन ने बताया कि उसके गांव में दो घर है।

दोनों में करीब 500 मीटर की दूरी है। शनिवार रात करीब 9 बजे परिवार के सभी सदस्य घर में मवेशियों को खाना खिलाकर दूसरे घर में खुद खाना खाने गए थे। इतने पता चला कि उनके घर में भीषण आग लग गई है। इसके बाद जब तक वह मौके पर पहुंचे आग से टेंट और गृहस्थी का सामान जलकर खाक हो गया। वहीं हादसे में एक भैंस जलकर घायल हो गई वहीं भैंस का बच्चे की मौत हो गई।

रविवार सुबह बराछ चौकी पुलिस को शिकायत की गई। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मुआयना कर पंचनामा बनाकर जांच शुरू कर दी है।

ब्रह्मकुमारी आश्रम की बहनों ने मनाया रक्षाबंधन

समाजसेवियों ने दर्जनों बहनों से बंधवाई राखी

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर जिले के हरपालपुर नगर में रविवार की सुबह ब्रह्मकुमारी आश्रम में भाई बहन के पर्व रक्षा बंधन का त्योहार मनाया गया। जिसमें आश्रम की बहनों ने नगर के अनेक भाइयों के हाथों में राखी बांधी गई और उनको मिठाई खिलाई है।

रक्षा बंधन यह कार्यक्रम 2 घंटे चला जिसमें दर्जनों बहनों ने भाइयों के हाथों में राखी बांध कर इस त्योहार को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया है। कार्यक्रम के दौरान लोगों को धर्म पर चलने के लिए प्रवचन का आयोजन किया गया है।

हरपालपुर नगर के पेट्रोल पंप के पास ब्रह्मकुमारी आश्रम में रविवार की सुबह 11.30 बजे रक्षा बंधन का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान नगर के अनेक समाजसेवी और नागरिक मौजूद रहे। आश्रम की बहनों ने अपने भाइयों को तिलक लगाकर राखी बांधी और उसके बाद मिठाई भी खिलाई। भाइयों ने भी अपनी बहनों के लिए आशीर्वाद स्वरुप अनेक प्रकार के गिफ्ट भेंट किए। इस दौरान यह कार्यक्रम 2 घंटे तक चलता रहा। जिसमें शहर के 4 दर्जन समाजसेवी और नागरिकों ने कार्यक्रम में पहुंचकर बहनों से राखी बनवाई है। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ब्रह्मा कुमारी आश्रम नौगांव केंद्र प्रभारी नंदा बहन ने सभी लोगों को प्रवचन भी सुने गए है।

नंदा बहन ने बताया कि आज यानी रविवार को श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि को रक्षा बंधन का पर्व मनाया गया है। इस दिन बहनें अपने प्यार से भाइयों की कलाई में राखी बांधकर रक्षा का वचन लेती है और बहने उनके सुखी और दीर्घायु के जीवन की कामना करती है।

वहीं भाई बहनों को उपहार के साथ जीवन भर उनकी रक्षा का वचन देते हैं यह त्योहार भाई बहनों के अटूट प्यार और रिश्ते का प्रतीत माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं की बात करें तो यमुना ने अपने भाई यमराज की कलाई में रक्षा सूट बांधा था। इसी परंपरा के अनुसार रक्षा बंधन का यह त्योहार मनाया जाता है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में बालिका सम्मान एवं संवाद समारोह संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री कॉलेज आफएक्सीलेंस सीधी में बालिका सम्मान एवं संवाद समारोह का आयोजन किया गया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की उपस्थिति में रवींद्र भवन भोपाल में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम का सजीव प्रसारण महाविद्यालय के छात्राओं एवं शैक्षणिक स्टाफको महाविद्यालय में दिखाया गया। आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी. के. सिंह, प्राध्यापक डॉ. आर. बी. एस. चौहान, डॉ.आर. एन. स्वर्णकार, डॉ. अरुणा सिंह, डॉ. अखिलेश शर्मा, डॉ. अनिल सिंह, डॉ. विनोद कुमार प्रजापति, डॉ. नागेंद्र सिंह, डॉ. अश्वनी कुमार द्विवेदी, डॉ. दिवाकर सिंह, डॉ. उमेश

कुमार विश्वकर्मा, डॉ. सिद्धार्थ वर्मा, डॉ. रामसुरेश भारती, डॉ. बृजेश सिंह, डॉ. राजेश विश्वकर्मा, डॉ. विभा कुशवाहा, डॉ. संजय द्विवेदी, प्रमोद द्विवेदी एवं अन्य शैक्षणिक स्टाफ तथा छात्र-छात्राएं कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. अरुणा सिंह ने छात्राओं को महाविद्यालय में छात्राओं हेतु संचालित गतिविधियों तथा योजनाओं पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी.के.सिंह ने अपने उद्बोधन में छात्राओं से आह्वान किया कि आप सब सम्मानित होने वाली छात्राएं एवं अन्य उपस्थित छात्राओं का महाविद्यालय में अनुशासन, स्वच्छता, खेल, शैक्षणिक वातावरण एवं अन्य गतिविधियों में महाविद्यालय की अन्य छात्राओं को भाग लेने हेतु प्रेरित करने का दायित्व बढ़ गया है। महाविद्यालय में बालिकाओं का सम्मान केवल आज कार्यक्रम में नहीं अपितु प्रतिदिन रखा जाएगा।

कार्यक्रम में महाविद्यालय की आठ बालिकाओं को विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट स्थान रखने पर सम्मानित किया गया। इसके उपरांत समस्त बालिकाओं ने ''संवाद कार्यक्रम'' अंतर्गत अपनी विधा से संबंधित जानकारी एवं प्रस्तुति प्रस्तुत किया। महाविद्यालय की छात्रा अनुराधा मिश्रा (कुश्ती एवं कबड्डी), स्वाति सिंह चौहान (खो खो एवं एथलेटिक्स), प्राची सिंह चौहान(क्रिकेट), आंचल सिंह (रंगोली), रेशु सिंह (गायन एवं यूथ महापंचायत), परिवेहल सिंह (वाद विवाद), खुशी सोनी (नाटक) एवं वर्षा सोनी (नाटक) को कार्यक्रम में सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनिल कुमार सिंह प्राध्यापक अंग्रेजी ने किया तथा कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अरुणा सिंह तथा समस्त आयोजन डॉ. रविंद्रनाथ सिंह क्रीड़ा अधिकारी ने किया।

विचार

तराजू झूठ नहीं बोलता और सत्य अटल होता है

यह हमारे पूरे देश के लिए कितनी भयानक निराशा है कि जिस एक स्वर्ण पदक की हमें आशा थी, वह छीन लिया गया! हालांकि मैं अपने सभी देशवासियों का दुख सांझा करता हूं, फिर भी, हमें यहां से एक सबक सीखना है क्योंकि मैं कई लोगों की प्रतिक्रियाओं से सबक लेता हूं। एक नेता ने कहा कि हमने ओलंपिक संघ के प्रमुख से सभी विकल्पों का पता लगाने और फैसले के खिलाफ अपील करने को कहा है। दूसरा कहता है कि इसमें कुछ बेईमानी हुई है, और तीसरा कहता है कि हमारे साथ गलत तरीके से न्याय किया जा रहा है। इन प्रतिक्रियाओं में, हम देखते हैं कि हम सत्य को कैसे संभालते हैं और न्याय पाने का प्रयास करते हैं। कुछ महीने पहले जिन बेईमान और भ्रष्ट विपक्षी नेताओं को सजा हुई थी, सरकारी अधिकारियों द्वारा उनके अपराधों के मामले अचानक वापस ले लिए गए क्योंकि वे या तो सत्तारूढ़ दल में शामिल हो गए या उन्होंने अपना मुंह बंद कर लिया। लेकिन आज, हमें इस बात से बहुत निराशा होती है कि अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में तराजू झूठ नहीं बोलते हैं और उनके बोलने के बाद, न्याय पूर्ण होता है। जब अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों ने हमारे देश को गरीबी, भुखमरी, भ्रष्टाचार, भाषण और प्रैस की स्वतंत्रता के सूचकांक में नीचे लुढ़कते हुए दिखाया तो हम काफी परेशान हो गए। हम चिल्लाते रहे कि वे देश हमारी आर्थिक स्थिति से ईर्ष्या करते हैं, जब तक कि चुनाव परिणामों से पता नहीं चला कि हमारे देश में बहुसंख्यक गरीब अपनी नौकरियों की कमी और बुनियादी जरूरतों की कमी के खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे। यदि सरकार ने कठोर और संवेदनशील होने की बजाय प्रस्तुत आंकड़ों पर ध्यान दिया होता, तो वे मामले को सुधार सकते थे। उन्होंने ऐसा नहीं किया। उन्होंने तराजू को ही दोषी ठहराया। लेकिन तराजू झूठ नहीं बोलता। नहीं, वे ऐसा नहीं करते हैं और जब किसी तकनीकी चूक के लिए हमें दोषी ठहराया जाता है, तो हम अपील के बारे में चिल्लाकर या यह कहकर खुद को मूर्ख बनाते हैं कि एजेंसियों के पास प्रतिशोधात्मक एजेंडा था। मैं भी देश के बाकी लोगों की तरह ही परिणाम से निराश हूं लेकिन सबसे बड़ी निराशा या विफलताओं में भी कुछ सबक हैं जो हमें सीखने की जरूरत है। आइए हम न्याय, स्वतंत्रता और समानता जैसी पूर्णताओं में विश्वास करना शुरू करें। जब तराजू वजन परिणाम देता है तो हमें 'अपील', 'समायोजित' और 'ठीक करना' जैसे शब्दों का प्रयोग बंद कर देना चाहिए। आज हमारे देश में न्याय लोगों के लिए एक ऐसी धुंधली उम्मीद बनकर रह गया है कि न्यायाधीशों की तुलना में मध्यस्थों का उपयोग अधिक हो गया है और मध्यस्थता के दौरान उल्लिखित पहला वाक्य यह है कि ''न्याय या फैसले में 20 साल लगने वाले हैं, इसलिए कुछ उम्मीद छोड़ दें ताकि दोनों पक्ष खुश रहें।''

अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत 'लक्षित हत्याओं' की वैधता

हाल ही में तेहरान के एक गैस्ट हाऊस में हमास के राजनीतिक प्रमुख इस्माइल हानियेह की हत्या ने एक बार फिर सार्वजनिक अंतर्राष्ट्रीय, मानवीय और कई अन्य परस्पर जुड़े कानूनी विषयों के विद्वानों के बीच अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत लक्षित हत्याओं की वैधता के बारे में बहस को फिर से हवा दे दी है। उनकी मृत्यु को अंतर्राष्ट्रीय मीडिया द्वारा 'लक्षित हत्या' के रूप में व्यापक रूप से वर्णित किया गया था। यह रैड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति (इक्रक) द्वारा प्रदान की गई परिभाषा के अनुरूप भी प्रतीत होता है, अर्थात 'किसी राज्य या संगठित सशस्त्र समूह द्वारा किसी विशिष्ट व्यक्ति के विरुद्ध उसकी शारीरिक हिरासत के बाहर घातक बल का जानबूझकर और पूर्व-नियोजित उपयोग।' ऐतिहासिक और कानूनी संदर्भ - युद्ध में राजनीतिक हत्याओं को लंबे समय से निषिद्ध माना जाता रहा है, जिसे 1907 के हेग कन्वैंशन द्वारा स्पष्ट रूप से निषिद्ध किया गया है, जिसने युद्धकालीन आचरण के लिए मौलिक कानून, नियम और सिद्धांत स्थापित किए हैं।

1998 के रोम कानून में अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय द्वारा मुकद्दमा चलाने योग्य युद्ध अपराधों की रूप-रेखा दी गई है। शांति काल के दौरान, विदेशी राष्ट्रों के राजनीतिक नेताओं की हत्या विभिन्न संधियों और सम्मेलनों के तहत अवैध है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत अन्य अनुबंध भी हैं जैसे कि राजनयिक एजैंटों सहित अंतर्राष्ट्रीय रूप से संरक्षित व्यक्तियों के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम और दंड पर 1973 का न्यूयॉर्क कन्वैंशन। ह्यूमन राइट्स वॉच, एमनैस्टी इंटरनैशनल और संयुक्त राष्ट्र जैसे संगठन लगातार और जोरदार तरीके से इस बात पर जोर देते हैं कि किसी भी संदर्भ में लक्षित हत्याएं अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का उल्लंघन करती हैं। जीवन के अधिकार की सुरक्षा ही सर्वोपरि सिद्धांत है और इस सिद्धांत से किसी भी विचलन के लिए एक बाध्यकारी कानूनी औचित्य, उचित प्रक्रिया का पालन और किसी भी उल्लंघन के लिए जवाबदेही की आवश्यकता होती है, भले ही इसे किसी भी घरेलू कानूनी ढांचे के तहत मंजूरी दी गई हो जो स्पष्ट रूप से संप्रभु क्षेत्र के कानूनी ढांचे का खंडन करता हो, जिस पर ऐसी कार्रवाई खुद को अंजाम देती है। राज्य प्रथाएं और कानूनी मिसाल - नील्स मेल्जर की 2008 की पुस्तक, 'अंतर्राष्ट्रीय कानून में लक्षित हत्या' में उल्लेख किया गया है कि इसराईल संभवतः 2000 में लक्षित हत्या की नीति को स्वीकार करने वाला दुनिया का पहला देश था। इसे 'आतंकवाद की लक्षित हताशा की नीति' के रूप में देखा गया था। हालांकि, इसराईल इस प्रथा को अपनाने वाला एकमात्र देश नहीं है। कानून और संविधानवाद के शासन के सबसे मुखर समर्थकों सहित कई अन्य देश भी इसी तरह के हमले करने में सबसे आगे रहे हैं, जब उनकी वास्तविक या कथित राष्ट्रीय हित की मांग थी। इसके अलावा यह सार्वभौमिक रूप से देखा गया है कि 11 सितंबर, 2001 के बाद से लक्षित हत्या को वैश्विक स्तर पर व्यापक स्वीकृति मिली है। 2002 में, इसराईली और फिलिस्तीनी मानवाधिकार समूहों ने इसराईल की अदालतों में इस प्रथा को चुनौती दी। इसराईली सुप्रीम कोर्ट ने फैसला करने में 5 साल लगा दिए, अंततः निष्कर्ष निकाला कि यह प्रथागत अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत हर लक्षित हत्या की वैधता को स्पष्ट रूप से निर्धारित नहीं कर सकता है, जो इस मुद्दे की जटिलता को रेखांकित करता है। राज्य की जिम्मेदारी और अंतर्राष्ट्रीय कानूनः लक्षित हत्याएं अक्सर विवादास्पद होती हैं क्योंकि ऐसी हत्याएं, खासकर जब किसी दूसरे देश में की जाती हैं, तो उन्हें देश की संप्रभुता का उल्लंघन माना जाता है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 2(4) के अनुसार, राज्यों को दूसरे राज्यों के क्षेत्र में बल प्रयोग करने से मना किया जाता है। अंतर्राज्यीय बल कानून के तहत, एक राज्य द्वारा दूसरे राज्य के क्षेत्र में की गई ऐसी कार्रवाइयां दूसरे राज्य की संप्रभुता का उल्लंघन नहीं करती हैं यदि दूसरा राज्य ऐसे बल प्रयोग के लिए सहमति देता है या यदि पीड़ित राज्य को संयुक्त राष्ट्रचार्टर के अनुच्छेद 51 के तहत आत्मरक्षा में क्षेत्रीय राज्य के खिलाफ बल प्रयोग करने का अधिकार है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद ने जांच की है कि लक्षित हत्याएं अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुरूप हैं या नहीं। 2010 और 2013 के बीच 3 अलग-अलग संयुक्त राष्ट्र विशेष प्रतिवेदकों ने पाया है कि सामान्य तौर पर, लक्षित हत्याएं अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का उल्लंघन करती हैं। जीवन के अधिकार से संबंधित एक मामले में, यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय को यह तय करना था कि ब्रिटिश विशेष पुलिस द्वारा 3 संदिग्ध आतंकवादियों की लक्षित हत्या जीवन के अधिकार का उल्लंघन है या नहीं। परिणामस्वरूप, न्यायालय ने पहली बार, मानवाधिकारों पर यूरोपीय सम्मेलन के अनुच्छेद 2 में जीवन के अधिकार के उल्लंघन के लिए राज्य को जिम्मेदार पाया। जब कोई राज्य अंतर्राष्ट्रीय कानून द्वारा लगाए गए सख्त प्रतिबंधों के बाहर लक्षित हत्या करता है, तो वह हमेशा जीवन के अधिकार का उल्लंघन करता है क्योंकि वह स्पष्ट रूप से ऐसा नहीं करना चाहता है या यहां तक कि अपने स्वयं के काम की पर्याप्त जांच भी नहीं कर सकता है।-

'पंजाबी भाषा' को समर्पित नहीं पंजाबी यूनिवर्सिटी

दुनिया का पहला भाषा-आधारित विश्वविद्यालय हिब्रूविश्वविद्यालय, इसराईल की राजधानी यरूशलम में स्थापित किया गया था। इसके बाद दूसरा भाषा-आधारित विश्वविद्यालय पंजाबी यूनिवूसटी के नाम से पटियाला में स्थापित किया गया, जिसे भारत के पंजाब प्रांत का शाही शहर भी कहा जाता है। इस विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य पंजाबी भाषा का विकास करना, पंजाबी साहित्य और संस्कृति को बढ़ावा देना, पंजाबी को शिक्षा का माध्यम बनाना और पंजाबी के माध्यम से मानवतावादी और वैज्ञानिक शिक्षा प्रदान करना था। इस विश्वविद्यालय ने पंजाबी भाषा के विकास के लिए भी कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं, लेकिन पिछले कुछ समय से पंजाब के भाषा विशेषज्ञों और विचारकों द्वारा विश्वविद्यालय के कुछ निर्णयों का विरोध किया जा रहा है, जिनमें हाल ही में पंजाबी भाषा विभाग द्वारा लिखा गया पत्र भी शामिल है। पंजाबी भाषा को लेकर कम्प्यूटर साइंस चर्चा का विषय बना हुआ है। पंजाबी यूनिवर्सिटी 1962 में पंजाबी विश्वविद्यालय अधिनियम 1961 के तहत अस्तित्व में आई थी। पंजाबी यूनिवर्सिटी लगभग 600 एकड़ क्षेत्र में फैली हुई है और पंजाबी थिएटर और टैलीविजन में शिक्षण और अनुसंधान के लिए हिमाचल प्रदेश के अंद्रेटा में नौरा रिचर्ड की एक बड़ी संपत्ति की देख-रेख में कर रही है। वह उत्तराखंड के देहरादून में बलबीर सिंह साहित्य सदन में बलबीर सिंह भाई वीर सिंह और प्रोफैसर पूरन सिंह के साहित्य पर भी शोध कर रही है।

विश्वविद्यालय गुरु काशी क्षेत्रीय केंद्र बठिंडा, गुरु काशी परिसर तलवंडी साबो, क्षेत्रीय सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन केंद्र, मोहाली और नवाब शेर खान इंस्टीच्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज इन उर्दू, फारसी और अरबी, मालेरकोटला में 4 क्षेत्रीय परिसरों का भी संचालन करती है। पंजाबी यूनिवर्सिटी द्वारा भाई काहन सिंह नाभा के नाम पर एक बड़ा पुस्तकालय स्थापित किया गया है जिसमें लगभग 564000 पुस्तकें हैं। पंजाबी भाषा के विकास के लिए बनाए गए इस विश्वविद्यालय का गीत (एंथम) भी पंजाबी में है और गुरु ग्रंथ साहिब में लिखी गुरु नानक देव जी की बानी, 'विद्या विचारी तां परोउपकारी' पर आधारित है। इसके अलावा भी कई अन्य उपलब्धियां हैं। इस पर चर्चा जरूरी है कि पंजाबी ड्क्षचतक विश्वविद्यालय के प्रदर्शन से नाखुश क्यों हैं। जून 2023 को पंजाबी यूनिवर्सिटी की अकादमिक परिषद की बैठक में निर्णय लिया गया कि 3 वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम, बी.बी.ए., बी.सी.ए., बी. वोक, बी.एम.एम. के लिए पहले वर्ष में केवल पंजाबी भाषा, साहित्य और संस्कृति पढ़ाई जाएगी, बी कॉम और बी.एससी. पाठ्यक्रमों में पहले 2 वर्षों तक पंजाबी पढ़ाई जाएगी और अंतिम वर्ष में नए पाठ्यक्रम बनाकर उन्हें पंजाबी के साथ जोड़ कर पढ़ाया जाएगा और ऐसे ही फैसले वाइस चांसलर, अकादमिक डीन, विभाग के प्रमुख तथा अन्य शिक्षा अधिकारियों ने एक अलग मीटिंग करके किए। पंजाबी भाषा के विशेषज्ञों और विचारकों ने विश्वविद्यालय के इन निर्णयों का कड़ा विरोध किया

खालिस्तान आंदोलन सिखों के भविष्य को खतरे में डाल देगा

प्रियदर्शी दत्ता

खालिस्तान आंदोलन विभाजनकारी रणनीति पर जोर देता है और अपनी स्थापना के लगभग 50 वर्षों से एक संप्रभु राज्य के लिए व्यवहार्य दृष्टि प्रस्तुत करने के लिए संघर्ष कर रहा है। सिख्स फॉर जस्टिस के गुरपतवंत सिंह पन्नू ने हाल ही में अपने एक्स-हैंडल पर एक वीडियो जारी किया है जिसमें कहा गया है कि कनाडा के हाऊस ऑफ कॉमन्स में हिंदू सांसद चंद्र आर्य को भारत वापस चले जाना चाहिए। आर्य ने अल्बर्टा राज्य के एडमॉन्टन में बी.ए.पी.एस. स्वामीनारायण मंदिर में तोडफ़ोड़ के लिए खालिस्तानी चरमपंथियों की आलोचना की थी। मंदिर में हाल ही में खालिस्तानी किस्म के भारत विरोधी भित्तिचित्रों का छिड़काव किया गया था। खालिस्तानियों को हमेशा हिंदुओं से घृणा के माध्यम से अपने अस्तित्व का दावा करने की आवश्यकता क्यों होती है? यदि वे वास्तव में एक संप्रभु खालिस्तान के लिए लड़ रहे हैं, भले ही कोई भी समझदार या देशभक्त भारतीय इसे स्वीकार न करे, उन्हें इस विचार की वैधता स्थापित करनी चाहिए। अजीब बात है कि 50 साल से चल रहा आंदोलन खालिस्तान का विश्वसनीय नक्शा पेश नहीं कर पाया है। 9 जून, 2022 को पन्नू ने लाहौर प्रैस क्लब में आयोजित एक कार्यक्रम में खालिस्तान का नक्शा जारी किया, जिसमें शिमला, (हिमाचल प्रदेश) को खालिस्तान की राजधानी दिखाया गया। क्या इससे ज्यादा हास्यास्पद कुछ हो सकता है? हिमाचल प्रदेश की आबादी में सिखों की संख्या 2 प्रतिशत से भी कम है। शिमला शहर में भी उनका प्रतिशत इतना ही है, जो पंजाब में नहीं है, जहां सबसे ज्यादा सिख रहते हैं। पंजाब के अलावा इस नक्शे में लगभग पूरा हरियाणा और हिमाचल प्रदेश,

राजस्थान के 5 जिले, उत्तराखंड के कई जिले और उत्तर प्रदेश के कई जिले शामिल थे। ऐसे नक्शे का कुल असर यह होगा कि खालिस्तान में सिख अल्पसंख्यक बन जाएंगे! 19वीं सदी की शुरूआत में महाराजा रणजीत सिंह तलवार के बल पर सतलुज पार पंजाब पर शासन कर सकते थे, जबकि सिखों की आबादी 10 प्रतिशत से ज्यादा नहीं थी (1881 जनगणना के आंकड़ों के आधार पर)। ऐसा इसलिए था क्योंकि निरंकुशता के दौर में सरकार का स्वरूप निरंकुश था। फिर भी, महाराजा को पंजाब की विखंडित धार्मिक जनसांख्यिकी को देखते हुए एक समावेशी और सहिष्णु नीति का पालन करना पड़ा। केवल यह तथ्य कि 'खालिस्तान' को पंजाब के भारतीय हिस्से से अलग किया जाना चाहिए, इसके प्रायोजकों के उद्देश्य को संदिग्ध बनाता है। वास्तव में पाकिस्तान पंजाब वाले हिस्से में बहुत कम सिख बचे हैं, जहां से उनमें से अधिकांश को विभाजन के बाद जातीय रूप से साफ कर दिया गया था। हालांकि, इसी तथ्य को सिखों को भारतीय पक्ष से किसी भी अलगाववादी एजैंडे को आगे बढ़ाने से रोकना चाहिए। सिख मध्य पंजाब के उपजाऊ इलाकों में केंद्रित थे, जो पाकिस्तान की तरफ पड़ता था और विभाजन के बाद उन्होंने भारतीय पक्ष में शरण ली। पंजाब के 2 हिस्सों के बीच धार्मिक आधार पर आबादी का जबरन आदान-प्रदान हुआ। इसने उनकी आबादी को औपनिवेशिक पंजाब (जनगणना, 1941) में 13 प्रतिशत से बढ़ाकर पूर्वी पंजाब (जनगणना, 1961) में 33 प्रतिशत कर दिया। पंजाब के पुनर्गठन (1966) के बाद, जिसमें हिंदू बहुल हरियाणा और हिमाचल प्रदेश को अलग कर दिया गया, शेष पंजाब में उनकी जनसंख्या का हिस्सा 60.2 प्रतिशत हो गया (जनगणना, 1971)। भारतीय पंजाब में सिखों के बहुसंख्यक बनने के खिलाफ कोई शिकायत नहीं है, जैसा कि पंजाब के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ। हालांकि, अगर दो-तिहाई से कम का यह बहुमत राज्य के क्षेत्र से अलग होना चाहता है, तो निश्चित रूप से शिकायत होगी। सवाल पूछे जाएंगे कि उन्होंने पाकिस्तान की तरफ से एक इंच भी जमीन क्यों नहीं मांगी और सारी जिम्मेदारी भारत पर है, जिसने विभाजन के बाद सिखों को उदारतापूर्वक समायोजित किया था। खालिस्तानी यह शिकायत कर सकते हैं कि विभाजन के दौरान सिखों को एक संप्रभु राष्ट्र नहीं देना अन्याय था। यह एक फर्जी तर्क है। औपनिवेशिक पंजाब के किसी भी जिले में सिख बहुसंख्यक नहीं थे, जिससे 'खालिस्तान' की मांग पूरी तरह से अस्वीकार्य हो गई। 2 दिसंबर, 1942 की शुरुआत में, मास्टर तारा सिंह ने औपनिवेशिक पंजाब के विभाजन की मांग की थी - एक मुस्लिमों का और दूसरा हिंदू-सिखों का। इतिहास को एक तरफ रख दें, तो 'खालिस्तान' सिखों के भविष्य को खतरे में डाल देगा। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान अधिकारियों द्वारा खरीदे गए गेहूं का लगभग 30 प्रतिशत और चावल का 21 प्रतिशत अकेले पंजाब से आया था। भारतीय खाद्य निगम द्वारा इस सुनिश्चित खरीद के नुकसान से पंजाब चावल और गेहूं के पहाड़ों के नीचे दब जाएगा। भारत और पाकिस्तान के बीच में स्थित एक भू-आबद्ध राष्ट्र 'खालिस्तान' दोनों के साथ व्यापार पर निर्भर होगा। आज भी यह पंजाब के पक्ष में जाने के बजाय अपने खरीद तंत्र को अन्य राज्यों की ओर लाभकारी रूप से पुनर्निर्देशित कर सकता है। हालांकि, पंजाब, जिसकी 75 प्रतिशत आबादी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है, को इससे बहुत नुकसान होगा। पंजाब के लिए एक विशाल अखिल भारतीय बाजार का नुकसान हर क्षेत्र में विनाशकारी होगा जैसे परिवहन, हौजरी, मशीन टूल्स आदि। भारत के अन्य राज्यों में सिख आबादी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

दृश्यम फिल्म देखकर महिला की हत्या

पूर्व पति और प्रेमी से ऐंठ रही थी पैसे, इसलिए मार डाला, कब्र खोदकर निकाला गया शव

मीडिया ऑडीटर, कवर्धा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में दृश्यम फिल्म देखकर 3 बच्चों की मां की हत्या कर दी गई। महिला तलाक के बाद पति से गुजारा भत्ता ले रही थी। प्रेमी को भी फंसाने की धमकी देकर बार-बार पैसे मांग रही थी। जिससे परेशान होकर दोनों ने मारने की साजिश रची थी। अब 22 दिन बाद पुलिस ने घोर नक्सली क्षेत्र धानीखूटा के जंगल से कब्र खोदकर शव बाहर निकाला है। महिला की स्कूटी और बाकी सामान अलग-अलग जगह से बरामद किए गए हैं। आरोपी पति लुकेश साहू और प्रेमी राजाराम साहू को गिरफ्तार कर लिया है। मामला लोहारा थाना क्षेत्र का है।

10 साल पहले हुई थी शादी: दरअसल, कल्याणपुर निवासी महिला ग्वालिन साहू (28) की शादी 10 साल पहले 2012 में ग्राम चिमागोंदी निवासी लुकेश साहू (29) से हुई थी। दोनों के 3 बच्चे भी हैं। इस बीच महिला का गांव के ही राजाराम साहू के साथ प्रेम संबंध बन गया। जिस कारण पति लुकेश साहू ने पत्नी को कोर्ट के माध्यम से तलाक दे दिया था।

भरण-पोषण दे रहा था पति: कोर्ट ने पत्नी और बच्चों को खर्च के लिए भरण-पोषण 10 हजार रुपए महीना देना तय किया था। इस बीच महिला गांव में अपने प्रेमी राजाराम साहू के घर आकर रहने लगी। कुछ दिन बाद महिला अपने प्रेमी को भी छोड़कर चली गई। उसे भी फंसा देने की धमकी देकर बार-बार पैसे मांग रही थी।

पति-प्रेमी ने हत्या की रची साजिश: जिससे प्रेमी और पूर्व पति दोनों महिला से परेशान थे। इसलिए दोनों ने महिला की हत्या की साजिश रची। जब महिला 18 जुलाई को कोर्ट आई, तब उसने रात कवर्धा में ही रोक लिया। 19 जुलाई को जंगल में ले जाकर हत्या कर दिया। घटना को छुपाने दृश्यम फिल्म देखा था।

कैसे दिया वारदात को अंजाम: 19 जुलाई को प्रेमी राजाराम साहू महिला को घुमाने धानीखुटा के जंगल ले गया। पीछे-पीछे पूर्व पति लुकेश साहू भी पहुंचा। इसी बीच मौका पाकर प्रेमी ने महिला का गला घोंट दिया। शव को जंगल में ही दोनों ने दफना दिया। महिला की स्कूटी को वहां से करीब 20 किलोमीटर दूर कर्रानाला डेम में फेंक दिया।

पुलिस को गुमराह करने महिला का मोबाइल भी चालू बंद करते रहे। जिससे पुलिस महिला का पता ना लगा सके। जिसके बाद दोनों ने रेंगाखार गांव में कुदारी फावड़ा और नमक की बोरी लेकर मौके पर पहुंचे। गढ्ढा खोदकर महिला की लाश के ऊपर नमक डाल दिया।

कैसे पकड़े गए आरोपी: कवर्धा एएसपी विकास कुमार ने बताया कि, महिला के परिजनों ने 22 जुलाई को लोहारा थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि, उसकी बहन ग्वालिन साहू 18 जुलाई को न्यायालय कवर्धा गई थी। लेकिन अब तक घर नहीं लौटी है। फोन भी बंद आ रहा है। पुलिस ने जांच शुरू की, तो पति और प्रेमी के बारे में पता चला।

वही, घटना के दिन तीनों का मोबाइल लोकेशन भी एक जगह बताने पर पुलिस को आशंका हुई। पुलिस ने प्रेमी और पति को थाने बुलाकर कड़ाई से पूछताछ की। जिसके बाद दोनों ने जुर्म कुबूल कर लिया। उन्होंने बताया कि, प्रेमी राजाराम साहू महिला के पैसे की मांग से परेशान था। पति लुकेश साहू पत्नी को हर महीने खर्च देने से परेशान था। इसलिए छुटकारा पाने चाहते थे।

इसलिए दोनों ने मिलकर हत्या कर दी। उसके स्कूटी को कर्रानाल जलाशय में फेंक दिया। कपड़े को अलग जगह और महिला के जेवर को चिमागोंदी गांव के पास जमीन में गढ्ढा खोद कर दबा दिया। आरोपियों के निशानदेही पर पुलिस ने महिला की लाश और सामग्री को बरामद कर लिया है। दोनों आरोपी को न्यायालय में पेश कर जुडिशियल रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

पर्यटन के लिए असीम संभावनाएं स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा

सरगुजा संभाग के विकास व समृद्धि में सरकार की भूमिका मील का पत्थर साबित होगी

मीडिया ऑडीटर, कोरिया निप्र। छत्तीसगढ़ सरकार के कैबिनेट की बैठक में कोरिया जिले और सरगुजा संभाग के लिए बहु प्रतीक्षित ऐतिहासिक निर्णय लिया गया मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी की अध्यक्षता में हुए मंत्रि परिषद की बैठक में गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान जिला कोरिया को टाइगर रिजर्व बनाने का निर्णय कोरिया जिले को विश्व के मानचित्र में बड़ी पहचान स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

भारतीय जनता पार्टी कोरिया के जिला उपाध्यक्ष एवं सोनहत क्षेत्र के पूर्व जिला पंचायत सदस्य ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार की इस निर्णय से कोरिया जिले के साथ-साथ संपूर्ण सरगुजा को देश एवं दुनिया में एक नई पहचान मिल रही है। वनांचल रामगढ़ सहित सूरजपुर बलरामपुर के स्थानीय लोगों को रोजगार की प्राप्ति होगी।

कोरिया जिले के संपूर्ण क्षेत्र में टूरिज्म की असीम संभावनाएं हैं।

पर्यटन के क्षेत्र में कोरिया का सोनहत क्षेत्र अपना अलग ही स्थान रखता है। टाइगर रिजर्व घोषित होने से निश्चय ही यह क्षेत्र समृद्ध होगा। पर्यटन के साथ-साथ पर्यावरण के लिए टाइगर रिजर्व घोषित होना अत्यंत महत्वपूर्ण है वनच्छादित क्षेत्र तैमोर पिंगला अभयारण्य को गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान से जोड़कर टाइगर रिजर्व घोषित करने से संपूर्ण सरगुजा संभाग के लिए हर्ष का विषय है।

इस बहुप्रतीक्षित घोषणा के लिए छत्तीसगढ़ सरकार एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, वन मंत्री केदार कश्यप प्रभारी मंत्री राम विचार नेताम एवं स्थानीय विधायक एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह जी के प्रति हम सभी आभार व्यक्त करते हैं ।

जिला उपाध्यक्ष भाजपा एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्री तिवारी ने प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों के लिए मांग किया है कि उनके व्यवस्थापन और उचित प्रबंधन के संबंध में केंद्र एवं राज्य सरकार के निर्देशों के अनुसार आगे की कार्यवाही की जानी चाहिए,जिससे इस क्षेत्र में रहने वाले जनजाति समाज के लोगों के सुंदर भविष्य का निर्माण किया जा सके।

पत्नी को पीट-पीटकर मार डाला

सोते समय लाठी से किए वार, पति बोला-उसका चरित्र ठीक नहीं था, हत्या पर पछतावा नहीं

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में कैरेक्टर पर शक के कारण पति ने पीट-पीटकर पत्नी की हत्या कर दी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच शुक्रवार रात भी विवाद हुआ था। जिसके बाद शनिवार तड़के सो रही पत्नी के सिर पर लाठी से ताबड़तोड़ वार कर दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामला सीतापुर थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में उसने बताया कि, पत्नी का चरित्र ठीक नहीं था, इसलिए उसे मार डाला। वंदना के दलदलीपारा निवासी राजकुमार मांझी (25) शुक्रवार रात शराब पीकर घर पहुंचा था। इस पर राजकुमार का अपनी पत्नी लक्ष्मी से विवाद हुआ। इसके बाद लक्ष्मी बच्चों को सुलाकर अपने बिस्तर पर चली गई।

सुबह उठकर की पत्नी की हत्या: राजकुमार मांझी ने शनिवार सुबह करीब 4 बजे घर पर सो रही पत्नी लक्ष्मी के सिर और पीठ पर लाठी से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल लक्ष्मी मौके पर बेहोश हो गई। कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। घटना के दौरान घर में पति-पत्नी के अलावा तीनों बच्चे भी थे, जो दूसरे कमरे में गहरी नींद में सो रहे थे।

बच्चों ने देखी मां की लाश: सुबह बच्चे उठे, तो वे अपनी मां को खोजते हुए कमरे में पहुंचे, जहां लक्ष्मी मृत अवस्था में पड़ी थी। बच्चों ने अपने दादा-दादी को घटना की सूचना दी। घटना के बाद आरोपी राजकुमार घर पर ही मौजूद था। घटना की सूचना पर सीतापुर थाना प्रभारी प्रदीप जॉन लकड़ा और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने आरोपी पति राजकुमार मांझी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 103(1) के तहत कार्रवाई की है। मां की हत्या और पिता के गिरफ्तार होने के बाद तीनों बच्चों को परवरिश के लिए दादा-दादी को सौंप दिया गया है।

श्रद्धालुओं से भरी पिकअप पलटी

बच्ची की मौत, 12 से ज्यादा घायल, भोरमदेव दर्शन करके लौटते वक्त हुआ हादसा

मीडिया ऑडीटर, कवर्धा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कवर्धा में भोरमदेव दर्शन कर लौट रही श्रद्धालुओं से भरी पिकअप वाहन पलट गई। दुर्घटना में एक बच्ची की मौत हो गई, वहीं 12 से ज्यादा महिला और बच्चे घायल हैं। घटना भोरमदेव थाना क्षेत्र के ग्राम हरमो की है। जानकारी के अनुसार श्रद्धालु बेमेतरा जिला के किरकी गांव से भोरमदेव दर्शन करने आए थे। दुर्घटना में 14 साल की नाबालिग की दब कर मौत हो गई। घटना के बाद महिला बच्चों की चीख-पुकार मच गई। आसपास लोगों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस वैन और एम्बुलेंस की मदद से सभी घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया है।

पिकअप में 30 लोग सवार थे: बेमेतरा से पिकअप वाहन में लगभग 30 लोग सवार होकर आए थे। जिसमें महिला पुरुष बच्चे शामिल हैं। सभी भोरमदेव में पूजा-अर्चना कर सरोधा जलाशय घूमने जा रहे थे। वाहन की रफ्तार तेज थी, मोड़ के पास ड्राइवर ने वाहन को धीमा नहीं किया और गाड़ी अनियंत्रित होकर खेत में पलट गई।

14 साल की वैष्णवी पिकअप के नीचे दबे: पिकअप के पलटने से 14 साल की वैष्णवी साहू वाहन के नीचे आ गई और सभी एक के ऊपर एक गिरकर बुरी तरह जख्मी हो गए। पिकअप वाहन चालक मौके से फरार हो गया है। पुलिस ने घायलों को डायल 112 और 108 की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। 12 से ज्यादा लोगों का इलाज जारी है। जिनमें 4 की हालत ज्यादा नाजुक बनी हुई है।

अधिकारी ने की बच्ची की मौत की पुष्टि: मामले की पूरी जानकारी देते हुए जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर बीएल राज ने बताया कि हादसे में 12 से ज्यादा लोगों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिसमे एक 14 साल की बच्ची वैष्णवी साहू की मौत हो गई। बाकी सभी घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

3 महीने पहले हुई थी 19 की मौत: इससे पहले 20 मई को तेज रफ्तार पिकअप पलटकर 20 फीट गहरे गढ्ढे में गिर गई थी। हादसे में 19 लोगों की मौत हो गई थी। हादसा कुकदूर थाना क्षेत्र के बाहपानी गांव के पास हुआ था। छत्तीसगढ़ सरकार ने मृतकों को 5 लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की थी। घायलों को 50 हजार रुपए दिए गए। प्रशासन को यह भी निर्देश दिए गए कि सड़क सुरक्षा के प्रति अतिरिक्त सावधानी बरती जाए। ऐसे हादसे रोकने के हर संभव उपाय होने चाहिए, ताकि दोबारा ऐसे हादसे न हों।

भव्य तिरंगा यात्रा में हजारों की भीड़, खड़गवां

जनपद पंचायत से ग़ज़मरवा पारा तक निकली यात्रा

स्वास्थ्य मंत्री के नेतृत्व में निकली गई तिरंगा यात्रा

मीडिया ऑडीटर, खड़गवां/चिरमिरी/एमसीबी निप्र। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर प्रदेश के मनेंद्रगढ़ विधानसभा के खड़गवां जनपद पंचायत मैदान से स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के नेतृत्व में विशाल तिरंगा यात्रा की आगाज की गई। देश की आन बान शान हर घर तिरंगा, घर घर तिरंगा की आगाज भारत माता की प्रतिमा में दीप प्रज्वलित कर आरम्भ की गई। इसके बाद मंचासीन अतिथियों के स्वागत कार्यक्रम के बाद तिरंगा यात्रा में शामिल होने आए स्कूली बच्चों सहित उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए मंत्री जी ने तिरंगे के तीन रंगों का महत्व समझाते हुए स्वंतत्रता दिलाने के लिए जिन जिन महापुरुषों ने जान की बाजी लगाई, अपनी कुर्बानी दी उनको याद करते हुए स्वंतत्रता के बुनियादी आवश्यकताओं पर जोर डाले, अपने उद्बोधन में मंत्री ने अखंड भारत की परिकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से जन जन में देश भक्ति लाने पूरे देश में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। खड़गवां जनपद पंचायत मैदान से निकली तिरंगा यात्रा ग़ज़मरवा पारा से वापस जनपद मैदान तक पहुंची। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। विशाल तिरंगा यात्रा में स्वास्थ्य मंत्री के साथ एमसीबी जिलाध्यक्ष अनिल केशरवानी सहित जिले के साथ साथ खड़गवा, चिरमिरी, मनेंद्रगढ़ के भाजपा, भाजयुमो के पदाधिकारी, स्कूली बच्चे, शिक्षक, शासन प्रशासन के अधिकारी कर्मचारीगण और हजारों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

हाईवा ने बाइक सवारों को कुचला, 2 मौत

परिजनों ने थाने के सामने शव रखकर किया प्रदर्शन, मुआवजा-नौकरी के आश्वासन पर चक्काजाम खत्म

मीडिया ऑडीटर, बलरामपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के डुमरखोली मोड़ में शनिवार रात हाईवा की चपेट में आने से बाइक सवार 2 युवकों की मौत हो गई। शरीर के ऊपर पहिया चढ़ने से शव के चिथड़े उड़ गए। रविवार को परिजन और सर्व आदिवासी समाज ने घंटों तक जमकर हंगामा किया। दो-दो लाख रुपए मुआवजा और नौकरी के आश्वासन पर चक्काजाम खत्म हुआ। जानकारी के मुताबिक, दात्रम निवासी सिलेस्टिन तिर्की (20) अपने साथी दिलसाय ब्रिजनिया के साथ बाइक से सामरी पहुंचे। वहां से सबाग की ओर जा रहे थे। रास्ते में डुमरखोली मोड़ के पास बाइक को तेज रफ्तार हाईवा ने कुचल दिया। पुलिस ने शवों को इकट्ठा कर कुसमी मॉर्चुरी में रखा दिया था।

थाने के सामने शव रखकर किया प्रदर्शन: रविवार को दोनों के शव का पोस्टमॉर्टम करने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। जिसके बाद परिजन दोनों के शवों को लेकर सामरी थाने पहुंचे। थाने के सामने शवों को रखकर परिजनों के साथ सर्व आदिवासी समाज ने विरोध प्रदर्शन किया। जिस वाहन से दोनों की मौत हुई, वह हिंडाल्को माइंस से बॉक्साइट परिवहन लगी थी। सर्व आदिवासी समाज और परिजनों ने मुआवजा और हिंडाल्को में नौकरी देने की मांग की। सूचना पर प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। प्रशासन ने दो-दो लाख रुपए मुआवजा देने की सहमति दी है। इसके बावजूद घंटों तक लोगों को प्रदर्शन जारी रहा।

मौके पर पहुंचे अधिकारी: थाने के सामने प्रदर्शन की सूचना पर मौके पर कुसमी एसडीएम करूण डहरिया, एसडीओपी इमानुएल लकड़ा, तहसीलदार शशिकांत दुबे पहुंचे। सर्व आदिवासी समाज के बसंत कुजुर, सुनील नाग और प्रदर्शनकारियों से बात की। दोनों मृतकों के परिजनों को मुआवजा के रूप में दो-दो लाख रुपए, परिवार के एक-एक सदस्य को नौकरी के आश्वासन के बाद सर्व आदिवासी समाज ने प्रदर्शन और चक्काजाम समाप्त किया।

सड़क हादसे में 5 की मौत

बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में शनिवार शाम को दो बाइकों की आमने-सामने भिड़त हो गई। हादसे में 3 युवकों की मौत हो गई। जबकि एक महिला गंभीर रूप से जख्मी है, जिसका सिम्स मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। मामला सीपत थाना इलाके का है।

जानकारी के अनुसार, अमलीपारा के रहने वाले रामलाल सूर्यवंशी, सुशीला बाई सूर्यवंशी और अश्वनी कुमार सूर्यवंशी एक ही बाइक से मोपका से मजदूरी का काम कर लौट रहे थे। वहीं सीपत की ओर से आ रही एक और बाइक सवार दीपेश सूर्यवंशी आ रहा था।

आमनेर नदी में डूबने से युवक की मौत

दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने गया था, नहाने के दौरान हुआ हादसा

मीडिया ऑडीटर, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई निप्र। छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ के गातापार जंगल थाना क्षेत्र में युवक की आमनेर नदी में डूबने से मौत हो गई। पीयूष आर्या (20) अपने 4 दोस्तों के साथ शनिवार को पिकनिक मनाने कुकरापाट पहुंचा था। दोपहर करीब 2:30 बजे दोस्तों के साथ नदी में नहाने उतरा। इस दौरान वह गहरे पानी में डूबने लगा।

दोस्तों ने उसे बचाने की कोशिश भी की और आसपास मदद की गुहार भी लगाई, लेकिन तब तक पीयूष नदी में गुम हो चुका था। घटना की जानकारी कुकरापाट मंदिर के पुजारी को मिली। जिसके बाद गातापार जंगल पुलिस को सूचना दी गई।

पूरी रात की गई शव की तलाश: एसडीआरएफ की टीम को कुकरापाट बुलाया गया। लेकिन युवक का शव नहीं मिल पाया। जानकारी मिलने के बाद युवक के परिजन, पड़ोसी और सहयोगी मौके पर मौजूद रहे। पूरी रात स्थानीय, नगरसेना और पुलिस के जवानों ने नदी में युवक के शव की खोज की। रविवार को आज सुबह करीब 6 बजे गोताखोरों ने पीयूष का शव बरामद किया।

पुजारी ने नदी में नहाने से किया था मना: बताया जा रहा है कि बारिश के कारण आमनेर नदी में गहरा जल भराव है। पिकनिक मनाने पहुंचे युवकों को कुकरापाट मंदिर के पुजारी ने नदी में नहाने से मना किया था, लेकिन वे नहीं माने। घटना के बाद खैरागढ़ सिविल लाइन सहित सिंधी समाज में शोक की लहर दौड़ गई है।

शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा: बता दें कि मृत पीयूष खैरागढ़ के प्रतिष्ठित कारोबारी विकास आर्या का भतीजा है। फिलहाल, पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया

हजारों की संख्या में कांवड़ियों ने किया बाबा का जलाभिषेक

शिवनाथ नदी तट और देव बलोदा के प्रचीन मंदिर में भाजपा नेताओं ने चढ़ाया जल

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। हजारों कांवड़ियों के जयकारे के साथ 11 अगस्त के दिन पूरा दुर्ग जिला भगवामय हो गया। एक तरफ भाजपा नेता उपकार चंद्राकर के नेतृत्व में हजार कांवड़ियां सुबह 6 बजे खारून नदी से जल लेकर दुर्ग पहुंचे। वहीं दूसरी तरफ भाजपा नेता विनोद सिंह के नेतृत्व में हजार कांवड़िया देव बलोदा प्रचीन शिव मंदिर में जलाभिषेक करने पहुंचे। शिवनाथ कांवड़ यात्रा समिति के संरक्षक उपकार चंद्राकर ने बताया कि यह कावड़ यात्रा हर साल शिवनाथ कांवड़ यात्रा समिति के द्वारा निकाली जाती है। हर साल की तरह इस बार भी 11 अगस्त रविवार को सुबह 6 बजे हजारों की संख्या में कांवड़िया खारून नदी कुम्हारी पहुंचे। यहां से उन्होंने कांवड़ में जल लिया। जल लेने के बाद भक्तों का 33 किलोमीटर की दूरी पैदल चलकर दुर्ग पहुंचे। इसके बाद शिवनाथ नदी तट किनारे शिव मंदिर में जल चढ़ाएंगे।

कांवड़ यात्रा में भाजपा के कई नेता: कांवड़ यात्रा कुम्हारी खारून नदी से निकलकर भिलाई तीन होते हुए दोपहर 12.30 बजे खुर्सीपार इंडोर स्टेडियम तक चुकी हैं। दोपहर 2 बजे भिलाई पहुंचे। कांवड़ यात्रा में बड़ी संख्या में कांवड़िया शामिल हैं। सभी डीजे के धुन में नाचते गाते बाबा के जयकारे लगाते हुए चल रहे हैं। कांवड़ यात्रा में कई बड़े भाजपा नेता भी चल रहे हैं।

भिलाई में खीर खिलाकर किया गया स्वागत: दोपहर दो बजे के करीब कांवड़ यात्रा कोसा नाला के पास पहुंची। यहां भाजपा नेता कुलदीप शर्मा और उसके सहयोगियों ने खीर खिलाकर कांवड़ियों का स्वागत किया।

इस दौरान समिति के संरक्षक उपकार चंद्राकर ने कहा कि वो हर साल की तरह कुम्हारी से शिवनाथ नदी दुर्ग तक कांवड़ यात्रा निकालते हैं। इस यात्रा का उद्देश्य बांग्लादेश में जो हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है। जो हिंदू जैन और सभी अल्पसंख्यों पर अत्याचार हो रहा है उसका विरोध करते हैं। भोलेनाथ ऐसा लोगों को सदबुद्धी जो इस तरह का कुकर्म कर रहे हैं। साथ दी देश में अमन शांति आए। इस मौके पर वैद्यनाथ शर्मा, पंकज राजपूत, शशिकांत, जितेंद्र शांति और मोंटू सहित बड़ी संख्या में भिलाई के युवा मौजूद रहे।

भाजपा नेता हजारों कांवड़ियों के साथ पहुंचे देव बलोदा: सांवन के मौके पर दो बड़ी कांवड़ यात्रा निकाली गई। पहली कुम्हारी से दुर्ग तक निकाली गई तो वहीं दूसरी यात्रा भाजपा नेता विनोद सिंह के नेतृत्व में निकाली गई। खुर्सीपार के पार्षद और भाजपा के जिलाकोषाध्यक्ष विनोद सिंह हजारों शिवभक्तों के साथ कांवर यात्रा लेकर खुर्सीपार से देव बलोदा स्थित प्राचीन शिव मंदिर पहुंचे। इस दौरान उनके साथ भाजपा जिलाध्यक्ष महेश वर्मा सहित भाजपा के कई पार्षद मौजूद थे। यहां सभी शिवभक्तों ने महादेव का जलाभिषेक किया।

इस मौके पर दुर्ग सांसद विजय बघेल मौजूद रहे। उन्होंने भगवान भोलेनाथ की पूजाअर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की।

सावन के चौथे सोमवार विधायक देवेंद्र निकालेंगे कावड़ यात्रा: हर साल की तरह इस साल भी जय हनुमान सेवा वाहिनी द्वारा विशाल कांवड़ यात्रा का भव्य आयोजन किया जाएगा। हर साल कि तरह इस साल भी भिलाई विधायक देवेंद्र यादव शहरवासियो की सुख शांति, समृद्धि और खुशहाली के लिए लगभग 30 किलोमीटर की कावड़ यत्रा निकालेंगे। 12 अगस्त सोमवार को सुबह 5.30 बजे विधायक यादव शिवनाथ नदी में स्नान कर अपने कांवड़ में शिवनाथ नदी का जल भरकर पैदल-पैदल हर-हर महादेव का जयकारा लगाते हुए देवबलोदा प्राचीन मंदिर पहुंचेंगे। देव बलौदा के प्राचीन मंदिर में शिवलिंग पर जलाभिषेक करेंगे।

पंजाब मेल में आग लगने की अफवाह, भगदड़ मची

शाहजहांपुर (एजेंसी)। शाहजहांपुर में पंजाब मेल एक्सप्रेस में आग लगने की अफवाह के बाद भगदड़ मच गई। जनरल कोच में यात्री एक-दूसरे को कुचलते हुए भागने लगे। 30 यात्री 50 किमी/घंटे की स्पीड से चल रही ट्रेन से कूद गए। घटना में 20 यात्री घायल हैं। 6 की हालत गंभीर है, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना रविवार सुबह 8.30 बजे बरेली और कटरा स्टेशन के बीच की है। पंजाब मेल (ट्रेन नंबर-13006) अमृतसर से हावड़ा जा रही थी। बरेली में रुकने के बाद ट्रेन शाहजहांपुर के लिए रवाना हुई। करीब 60 किमी चलने के बाद ट्रेन बहगुल नदी के पुल के करीब पहुंची। तभी किसी यात्री का हाथ आग बुझाने वाले इक्विपमेंट पर लग गया। इक्विपमेंट गैलरी में गिर गया, जिससे उसकी नॉब निकल गई और आग बुझाने वाला केमिकल निकलने लगा। ये देखकर यात्रियों को लगा कि ट्रेन में आग लग गई है। पलक झपकते ही कोच में भगदड़ मच गई। यात्री एक-दूसरे को रौंदते हुए दूसरे गेट की तरफ भागने लगे। जिस वक्त कोच में यह सब हो रहा था, आधी ट्रेन बहगुल नदी के पुल पर पहुंच गई थी। गेट पर खड़े यात्री चलती ट्रेन से कूद गए और 30 फीट नीचे आकर गिरे। हादसे में घायल यात्रियों ने बताया कि अफवाह फैलते ही कोच में अफरातफरी मच गई। जो यात्री जिस कंडीशन में बैठा था, वह भागने लगा। कुछ ही सेकेंड में पूरे कोच में भगदड़ मच गई। यात्री एक-दूसरे को धक्का देकर आगे निकलने लगे। कई यात्री नीचे गिर पड़े, भीड़ उन्हें कुचलते हुए निकल गई। जब लगा कि दूसरी बोगी में नहीं भाग पाएंगे तो कई यात्री ट्रेन से कूद गए।

अनंतनाग के बाद किश्तवाड़ में आतंकी मुठभेड़

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में अनंतनाग के बाद किश्तवाड़ में रविवार (11 अगस्त) को सेना और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। अधिकारियों ने बताया कि आज सुबह किश्तवाड़ जिले के जंगल में आतंकियों के होने की सूचना मिली थी। सर्च ऑपरेशन के दौरान दोनों तरफ से कुछ देर के लिए फायरिंग हुई। सेना, पैरामिलिट्री फोर्सेज और पुलिस नौनट्टा, नागेनी पेयास और आसपास के इलाकों में ऑपरेशन चला रही है। इलाके में और सुरक्षा बल भेज दिया गया है। आतंकियों की तलाश जारी है। एक दिन पहले शनिवार (10 अगस्त) को अनंतनाग के कोकरनाग में आतंकियों की फायरिंग से हवलदार दीपक कुमार यादव और लांस नायक प्रवीण शर्मा शहीद हो गए थे। 3 जवान और 2 नागरिक घायल हुए थे। इनमें से एक नागरिक की आज अस्पताल में मौत हो गई। यहां भी सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन जारी है। सुरक्षाबलों को अनंतनाग के कोकेरनाग बेल्ट के अहलान गागरमांडू जंगल में 10,000 फीट की ऊंचाई पर आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी।

इसके बाद इलाके की घेराबंदी करके सर्च ऑपरेशन शुरू हुआ था। इसी दौरान आतंकियों के एक ग्रुप ने पैरा कमांडो सहित सेना के जवानों और पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। मुठभेड़ वाली जगह पर घनी झाड़ियां और बड़े-बड़े पत्थर भी हैं। यहीं पर आतंकी छिपे हुए हैं। माना जा रहा है कि अनंतनाग मुठभेड़ में शामिल आतंकी 16 जुलाई को डोडा के मुठभेड़ में शामिल थे। वहां सुरक्षाबलों से बचने के बाद वे किश्तवाड़ जिले से अनंतनाग में घुसे हैं।डोडा में 15 जुलाई को आतंकियों से मुठभेड़ में सेना के एक कैप्टन और पुलिसकर्मी समेत 5 जवान शहीद हो गए थे।

मालदीव का मुय विपक्षी दल कर रहा है राष्ट्रपति मोहमद मुइज्जू की तारीफ

माले (एजेंसी)। मालदीव की मुख्य विपक्षी पार्टी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) ने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू नीत सरकार द्वारा अपनी भारत नीति में ''अचानक किए गए बदलाव'' का स्वागत किया है। एमडीपी ने कहा कि माले इस बात को लेकर हमेशा आश्वस्त रहा है कि देश पर जब भी संकट आएगा और वह मदद के लिए पुकारेगा तो नई दिल्ली सबसे पहले सहायता करेगा। एमडीपी के अध्यक्ष अब्दुल्ला शाहिद ने शनिवार को यहां भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात के बाद यह बात कही।

माफी मांगे मुइज्जू सरकार: एमडीपी अध्यक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी की मांग है कि मुइज्जू सरकार अपने अधिकारियों के कृत्यों, झूठ और गैर-जिम्मेदाराना बयानों के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगे जिनकी वजह से मालदीव को विदेश और आर्थिक मोर्चे पर खासा नुकसान हुआ है। जयशंकर द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए मालदीव की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। द्वीपीय राष्ट्र के चीन समर्थक राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के लगभग नौ महीने पहले पदभार संभालने के बाद नई दिल्ली की ओर से यह पहली उच्चस्तरीय यात्रा है।

%सबसे पहले मदद के लिए आएगा भारत%

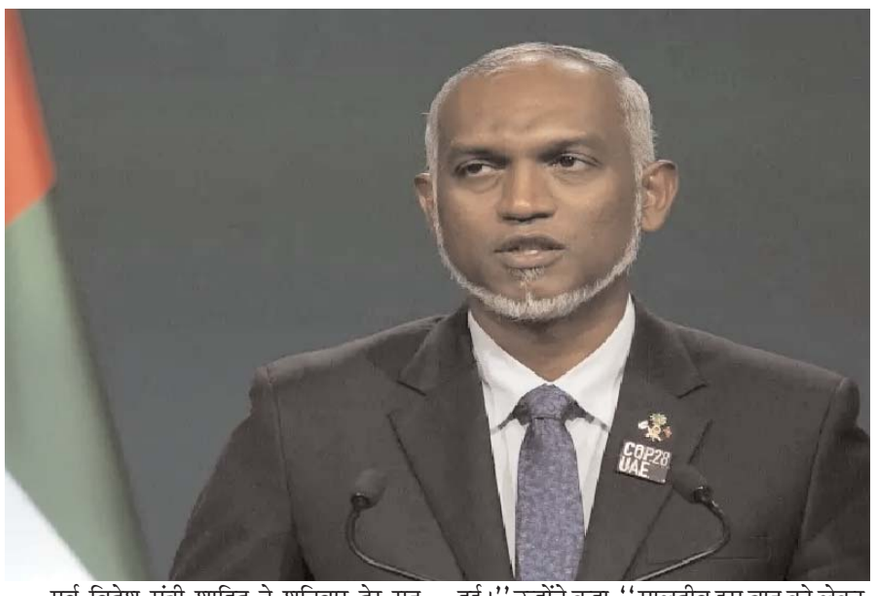

पूर्व विदेश मंत्री शाहिद ने शनिवार देर रात सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''भारत के विदेश मंत्री जयशंकर का मालदीव में एमडीपी सचिवालय के अपने सहयोगियों के साथ स्वागत करने और मुलाकात में मुझे बेहद खुशी हुई।'' उन्होंने कहा, ''मालदीव इस बात को लेकर हमेशा आश्वस्त रहा है कि जब भी मालदीव ''अंतरराष्ट्रीय 911 डायल करेगा'' तो सबसे पहले मदद करने वाला देश भारत होगा।'' उन्होंने कहा, ''मौजूदा सरकार की ओर से भारत के खिलाफ आक्रामक नारे लगाने, मजाक उड़ाने और भारत विरोधी भावनाओं को भड़काने के कारण मालदीव की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को काफी नुकसान पहुंचा, आर्थिक क्षति हुई तथा कई अन्य अनावश्यक कठिनाइयां और चुनौतियों का सामना करना पड़ा।'' शाहिद ने कहा, ''ऐसे में अब जब राष्ट्रपति मुइज्जू सरकार की मालदीव-भारत नीति में अचानक बदलाव आया है तो एमडीपी इसका स्वागत करती है।''

बिगड़ गए थे रिश्ते: चीन के प्रति झुकाव के लिए जाने जाने वाले मुइज्जू के राष्ट्रपति का कार्यभार संभालने के बाद से भारत और मालदीव के बीच पिछले साल संबंध तनावपूर्ण हो गए थे। पद की शपथ लेने के कुछ ही घंटों के भीतर मुइज्जू ने अपने देश से भारतीय सैन्यकर्मियों को वापस बुलाने की मांग की थी। राष्ट्रपति मुइज्जू ने शनिवार को भारत को ''सबसे करीबी सहयोगियों में से एक'' बताया और दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक और घनिष्ठ संबंधों को मजबूत करने के लिए अपने सरकार की पूर्ण प्रतिबद्धता जाहिर की थी। शाहिद ने कहा, ''एमडीपी को उम्मीद है कि यह बदलाव अस्थायी या दिखावा नहीं होगा, बल्कि मालदीव के लोगों के सर्वोत्तम हित में होगा।

कोलकाता ट्रेनी डॉक्टर का रेप-मर्डर, मेडिकल कॉलेज के सुपरिंटेंडेंट हटाए

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के रेप और मर्डर का विरोध बढ़ता जा रहा है। पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विभाग ने आरजी मेडिकल कॉलेज के सुपरिंटेंडेंट को सस्पेंड कर दिया है। घटना सामने आने के तीसरे दिन भी रेजिडेंट डॉक्टरों का विरोध प्रदर्शन जारी है। उनका आरोप है कि इस मेडिकल कॉलेज की पूरी सुरक्षा एजेंसी में खामी है। कोलकाता की घटना को लेकर दिल्ली में भी विरोध हो रहा है।

रविवार (11 अगस्त) को रेजिडेंट डॉक्टरों के संगठन फेडरेशन ऑफ आल इंडिया रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने ऐलान किया है कि 12 अगस्त से पूरे देश में हड़ताल की जाएगी। इंडिया टुडे की खबर के मुताबिक, ट्रेनी डॉक्टर की हत्या करने वाले आरोपी संजय रॉय की 4 शादियां हुई

हैं। संजय के गलत बर्ताव के कारण 3 पत्नियां उसे छोड़ चुकी हैं। चौथी पत्नी की कैंसर के कारण पिछले साल मौत हो चुकी है। 9 अगस्त की सुबह आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के सेमिनार हॉल में ट्रेनी डॉक्टर का शव मिला था। पुलिस ने संजय को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने रेप और हत्या की बात कबूल की।

मणिपुर के कांगपोकपी जिले में बम लास्ट

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में शनिवार (10 अगस्त) को हुए बम ब्लास्ट में एक पूर्व विधायक की पत्नी की मौत हो गई। पुलिस ने बताया घटना सैखुल के पूर्व विधायक यमथोंग हाओकिप के घर के पास हुई। हादसे में घायल पूर्व विधायक की पत्नी सापम चारूबाला की अस्पताल में मौत हो गई। बम किसने लगाया, इस बात का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं, 9 अगस्त को टेंग्नौपाल जिले के मोलनोम इलाके में फायरिंग में चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि फायरिंग गांव के वॉलंटियर्स और उग्रवादी संगठन यूनाइटेड कुकी लिबरेशन फ्रंट के सदस्यों के बीच हुई थी। इसमें एक उग्रवादी और 3 वॉलंटियर्स मारे गए। घटना से गुस्साए लोगों ने यूकेएलएफ के अध्यक्ष एसएस हाओकिप के घर में आग लगा दी। हालांकि अब स्थिति नियंत्रण में है। मामले में अब तक किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हुई है। मणिपुर के जिरिबाम के लालपानी गांव में 2 अगस्त की रात हथियारबंद

लोगों ने कई राउंड फायरिंग की। यह घटना जिरिबाम में शांति बहाल करने के लिए हुए समझौते के 24 घंटे के भीतर हुई। हमलावरों ने एक घर में आग लगा दी। हालांकि, वहां कोई नहीं रहता था। अधिकारियों ने बताया कि लालपानी में मैतेई लोगों के घर हैं। यहां के अधिकांश लोगों ने जिले में हिंसा भड़कने के बाद घर छोड़ दिया था। उपद्रवियों ने यहां सुरक्षा-व्यवस्था में ढील का फायदा उठाकर हमला किया। हमलावरों की अभी तक पहचान नहीं हुई है।

मुझे सत्ता से हटाने के लिए महीनों पहले साजिश रची गई थी-शेख हसीना

बांग्लादेश (एजेंसी)। बांग्लादेश में हालिया राजनीतिक संकट और हिंसा के बीच पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है और एक अंतरिम सरकार का गठन हो चुका है। शेख हसीना ने इस इस्तीफे के साथ एक बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया है कि उन्हें सत्ता से हटाने के लिए एक बड़ी साजिश की गई थी और इस साजिश का मुख्य आरोप अमेरिका पर लगाया है। हसीना का कहना है कि अमेरिका ने सेंट मार्टिन द्वीप को लेकर उन्हें सत्ता से बेदखल करने की योजना बनाई थी, क्योंकि इस द्वीप पर नियंत्रण अमेरिका को बंगाल की खाड़ी पर अपनी पकड़ मजबूत करने में मदद कर सकता था। उन्होंने बांग्लादेश के लोगों से अपील की है कि वे कट्टरपंथियों के प्रभाव में न आएं। शेख हसीना ने अपने करीबी सहयोगियों के जरिए भेजे गए संदेश में खुलासा किया कि 5 अगस्त को छात्रों द्वारा किए गए हिंसात्मक विरोध प्रदर्शनों के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। हसीना का दावा है कि अगर वे

सत्ताधारी बनी रहतीं, तो उन्हें सेंट मार्टिन द्वीप की संप्रभुता अमेरिका को सौंपनी पड़ती। उनका कहना है कि यह कदम अमेरिका को बंगाल की खाड़ी पर अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद करता।हसीना ने देशवासियों से अपील की है कि वे कट्टरपंथियों के बहकावे में न आएं और देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए सजग रहें। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी इस्तीफे की वजह केवल आंतरिक अशांति नहीं, बल्कि बाहरी दबाव भी था, जिसे वे बर्दाश्त नहीं कर सकती थीं। इस संदेश के जरिए हसीना ने अपने समर्थकों को यह संदेश देने की कोशिश की है कि उनका इस्तीफा देश के भविष्य और उसकी संप्रभुता के लिए था, न कि केवल सत्ता से हटने की वजह से। विल्सन सेंटर में दक्षिण एशिया संस्थान के निदेशक माइकल कुगेलमैन ने शेख हसीना के आरोपों को खारिज किया है। कुगेलमैन ने कहा कि बांग्लादेश में अशांति और विरोध प्रदर्शन के लिए विदेशी हस्तक्षेप की बजाय आंतरिक कारक जिम्मेदार हैं।

पीएम मोदी ने 109 किस्मों के बीज जारी किए

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार (11 अगस्त) को दिल्ली के भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में ज्यादा उपज देने वाली 61 फसलों की 109 किस्में जारी कीं। इनमें 34 फसलें बाजरा, पशु चारा, तिलहन, दलहन, गन्ना, कपास, फाइबर और अन्य की हैं। वहीं, 27 बागवानी फसलें हैं, जिनमें फल, सब्जी, मसाले, फूल और औषधीय फसलों की विभिन्न किस्में शामिल हैं।इस दौरान पीएम ने किसानों और वैज्ञानिकों से बातचीत भी की। पीएम ने नैचुरल खेती के फायदों और जैविक खेती में आम लोगों के बढ़ते विश्वास के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि लोगों

ने जैविक फूड आइटम्स का उपभोग और मांग करना शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि कृषि विज्ञान केन्द्र को हर महीने विकसित की जा रही नई किस्मों के बारे में किसानों को बताना चाहिए। वहीं, किसानों ने कहा कि ये नई किस्में बहुत फायदेमंद होंगी। इससे खर्च कम होगा और एन्वायर्नमेंट पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। एनसीपी (शरद गुट) के अध्यक्ष शरद पवार ने रविवार को किसानों की आय दोगुनी करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आश्वासन पर दावा किया कि भाजपा शासन में किसानों की आत्महत्याएं दोगुनी हो गई हैं। वे महाराष्ट्र के सोलापुर में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। पवार ने दावा किया कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है और वे कर्ज में डूबे हुए हैं। इसके लिए कर्ज माफ किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब मैं कृषि मंत्रालय संभाल रहा था तब ऐसा किया गया था। पवार ने कहा- समय की मांग है कि राज्य में सरकार बदली जाए और ऐसी सरकार बनाई जाए जो किसानों, युवाओं और महिलाओं के हितों की रक्षा करे। केंद्र और राज्य की भाजपा सरकारों ने किसानों की मुश्किलें कम करने और युवाओं को रोजगार देने में अपनी शक्ति का इस्तेमाल नहीं किया है।

पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह का निधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह का शनिवार (10 अगस्त) की रात लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वे 95 साल के थे। उन्होंने गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में अंतिम सांस ली। वे कुछ हफ्तों से अस्पताल में भर्ती थे। उनका अंतिम संस्कार 12 अगस्त को लोधी रोड श्मशान घाट पर किया जाएगा। नटवर सिंह 2004-05 के दौरान क्क-द्व सरकार में भारत के विदेश मंत्री थे। तब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे। नटवर सिंह ने पाकिस्तान में राजदूत के रूप में

भी काम किया और 1966 से 1971 तक तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यालय से जुड़े रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नटवर सिंह की मौत पर दुख जताया है। उन्होंने एक्स पर लिखा, नटवर सिंह ने डिप्लोमेसी और विदेश नीति की दुनिया में अहम योगदान दिया। वह अपनी बुद्धि के साथ-साथ बेहतरीन लेखन के लिए भी जाने जाते थे। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। नटवर सिंह का जन्म 16 मई 1929 को राजस्थान के भरतपुर जिले में एक जाट हिंदू परिवार में हुआ था।

कांग्रेस बोली- मोदी ने अडाणी को बचाने की साजिश रची

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में अडाणी ग्रुप की कंपनियों में एसईबीआई चीफ माधबी पुरी बुच की हिस्सेदारी के खुलासे के बाद राजनीति शुरू हो गई है। कांग्रेस ने कहा है कि नरेंद्र मोदी ने जांच के नाम पर अपने परम मित्र (अडाणी) को बचाने की साजिश रची है। कांग्रेस ने एक्स पर लिखा, अडाणी महाघोटाले की जांच एसईबीआई को दी गई। अब खबर है कि एसईबीआई की चीफ माधवी बुच भी अडानी महाघोटाले में शामिल हैं। मतलब घोटाले की जांच करने वाला ही घोटाले में शामिल है। है ना कमाल की बात !कांग्रेस ने कहा है कि इस महाघोटाले

की सही जांच सिर्फ जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी से हो सकती है। हालांकि, मोदी सरकार जेपीसी बनाने को तैयार नहीं है। पीएम मोदी कब तक अडाणी को बचा पाएंगे, एक न एक दिन तो पकड़े जाएंगे।

आप ने नए ऑफिस में शिफ्टिंग शुरू की

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने रविवार (11 अगस्त) को लुटियंस दिल्ली में अपने नए कार्यालय में शिफ्टिंग प्रक्रिया शुरू कर दी है। नया कार्यालय 1, पंडित रविशंकर शुक्ला रोड पर है। यहां आम आदमी पार्टी ने अपना बोर्ड लगा दिया है। इससे पहले आप का पुराना दफ्तर 206, राउज एवेन्यू, पंडित दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, आईटीओ, नई दिल्ली हुआ करता था। लेकिन दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देश के बाद आप को केंद्र सरकार की ओर से नया दफ्तर अलॉट किया गया है। सूत्रों के मुताबिक अब पार्टी की सभी प्रेस कॉन्फ्रेंस और प्रोग्राम नए कार्यालय में होगी। दरअसल 31 दिसंबर 2015 को दीनदयाल मार्ग पर आप ने अपने नए दफ्तर की शुरुआत की।

लेकिन जून 2017 में पीडब्लूडी ने दफ्तर को अवैध अतिक्रमण बताया और 27 लाख रुपए का नोटिस भेजा था। इसके बाद 2019 में राउज एवेन्यू कोर्ट कॉम्प्लेक्स बना और फिर उसके एक्सपेंशन का प्लान आया था। इसके बाद पार्टी कार्यालय को दिल्ली हाईकोर्ट की जमीन पर अतिक्रमण का आरोप लगा। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस आरोप को खारिज कर दिया था। 10 जून को सुप्रीम कोर्ट ने आप को दफ्तर खाली करने के लिए 10 अगस्त तक का समय दिया था।

16 फरवरी को मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली दो जजों की बेंच ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने कोई अतिक्रमण नहीं किया है। राउज एवेन्यू कोर्ट कॉम्प्लेक्स का एक्सपेंशन तय होने से पहले से ही ये परिसर पार्टी के पास था। आप पार्टी के गठन से अब तक चार कार्यालय बदल चुकी है।

एक और प्लेन क्रैश, 40 मिनट तक हवा में रहने के बाद विमान दुर्घटनाग्रस्त

गुना (एजेंसी)। एक निजी विमानन अकादमी का एक प्रशिक्षक विमान रविवार (11 अगस्त) को मध्य प्रदेश के गुना में एक हवाई पट्टी पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें दो पायलट घायल हो गए। गुना कैंट पुलिस थाने के प्रभारी दिलीप राजोरिया ने कहा कि दो सीटों वाला सेसना 152 विमान 40 मिनट तक हवा में रहने के बाद संभवत- इंजन की खराबी के कारण दोपहर करीब 1.30 बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में सवार दो पायलटों को चोटें आईं और उन्हें गुना के अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन दोनों खतरे से बाहर हैं। अधिकारी ने बताया कि विमान कुछ दिन पहले परीक्षण और रखरखाव के लिए जिले में आया था। कैप्टन वीसी ठाकुर और एक अन्य पायलट घायल

हो गए। कैंट पुलिस के साथ अकादमी के अधिकारी मौके पर पहुंचे। विमान को परीक्षण और रखरखाव के लिए गुना लाया गया था।

अखिलेश यादव बोले- हर बार आरक्षण की लड़ाई को कमजोर करने की कोशिश करती है भाजपा सरकार

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आरक्षण में उप-वर्गीकरण और 'क्रीमी लेयर के विवाद के बीच रविवार को भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने दावा किया कि सरकार हर बार अपने गोलमोल बयानों और मुकदमों के माध्यम से आरक्षण की लड़ाई को कमजोर करने की कोशिश करती है। सपा प्रमुख ने रविवार को एक्स पर अपने एक पोस्ट में कहा कि, किसी भी प्रकार के आरक्षण का मूल उद्देश्य उपेक्षित समाज का सशक्तिकरण होना चाहिए, न कि उस समाज का विभाजन या विघटन। इससे आरक्षण के मूल सिद्धांत की ही अवहेलना होती है। अखिलेश यादव ने दावा किया, अनगिनत पीढ़ियों से चले आ रहे भेदभाव और मौकों की गैर-बराबरी की खाई चंद पीढ़ियों में आए परिवर्तनों से पाटी नहीं जा सकती। उन्होंने कहा कि 'आरक्षण शोषित, वंचित समाज को सशक्त और सबल करने का सांविधानिक मार्ग है, इसी से बदलाव आएगा, इसके प्रावधानों को बदलने की आवश्यकता नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, भाजपा सरकार हर बार अपने गोलमोल बयानों और मुक़दमों के

माध्यम से आरक्षण की लड़ाई को कमज़ोर करने की कोशिश करती है, फिर जब पीडीए (पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक) के विभिन्न घटकों का दबाव पड़ता है, तो दिखावटी सहानुभूति दिखाकर पीछे हटने का नाटक करती है। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा की अंदरूनी सोच सदैव आरक्षण विरोधी रही है और इसलिए भाजपा पर से 90 फीसदी पीडीए समाज का भरोसा लगातार गिरता जा रहा है। यादव ने आरोप लगाया, आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा की विश्वसनीयता शून्य हो चुकी है। पीडीए के लिए 'संविधान संजीवनी है, तो 'आरक्षण प्रायवायु!। उच्चतम न्यायालय के एक अगस्त के एक फैसले में राज्यों को एससी एवं एसटी के बीच 'क्रीमी लेयर की पहचान करने के लिए एक नीति बनाने का निर्देश दिया।

संक्षिप्त समाचार

अब सर्जरी कराएंगे नीरज

पेरिस (एजेंसी)। भारत के स्टार भाला फैंक खिलाड़ी स्टार नीरज चोपड़ा अब मांसपेशियों से संबंधित समस्या की सर्जरी करायेंगें। नीरज को ओलंपिक से पहले ही जांघ की मांसपेशियों में दर्द उठा था पर तब उन्हें सर्जरी टालनी पड़ी थी। अब ओलंपिक में रजत पदक जीतने के बाद नीरज के पास सर्जरी के लिए समय है। नीरज में पैर की मांसपेशियों में दर्द के बाद भी 89.45 मीटर का थ्रो किया था। वह 2 ओलिम्पिक पदक जीतने वाले भारत के एकमात्र एथलीट हैं। उन्होंने टोक्यो में स्वर्ण पदक जीता था। नीरज ने कहा कि अभी मेरे दिमाग में बहुत कुछ है। जब मैं थ्रो करता हूं तो मेरा 60-70 फीसदी ध्यान चोट पर रहता है। मैं घायल नहीं होना चाहता। जब भी मैं थ्रो करने जाता हूं तो कि मेरी गति कम होती है। डॉक्टर ने भी मुझे सर्जरी के लिए जाने के लिए कहा था पर मेरे पास विश्व चैम्पियनशिप से पहले या विश्व चैम्पियनशिप के बाद यह निर्णय लेने के लिए इतना समय नहीं था क्योंकि ओलंपिक की तैयारी करनी थी। उन्होंने कहा कि मैं अभी भी इस परेशानी के साथ खेल को आगे बढ़ा रहा हूं पर ये सही नहीं है। यदि आप एक लंबा करियर चलाना चाहते हैं तो आपको फिट और स्वस्थ रहना होगा। अब ओलंपिक समाप्त होने के बाद हम इस पर काम करेंगे और तकनीक पर काम करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि फिटनेस के मामले में पिछले 7 साल उनके लिए मुश्किल रहे। उन्होंने कहा कि मुझे 2017 में यह दर्द महसूस हुआ। तब मैंने इसका बहुत इलाज करवाया पर अब मुझे इसको लेकर सर्जरी के लिए जाना ही होगा।

हिंडनबर्ग के आरोप पर अडानी समूह ने दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अडानी समूह ने रविवार को हिंडनबर्ग रिसर्च की नई रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए एक बयान जारी किया। बयान में कहा गया है कि हिंडनबर्ग के द्वारा लगाए गए आरोप नकारात्मक और झूठे हैं। शनिवार को अमेरिका की शॉर्ट-सेलर फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने दावा किया कि वॉचलिस्ट डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक, सेबी की अध्यक्ष माधाबी पुरी बुच का उन गुप्त ऑफशोर कंपनियों में हिस्सा था, जिनका इस्तेमाल अडानी पैसे हड़पने के घोटाले में किया गया। इन दावों को खारिज करते हुए अडानी समूह ने एक बयान जारी किया और हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों को पूरी तरह से नकार दिया। अडानी समूह ने एक बयान में कहा, हिंडनबर्ग द्वारा लगाए गए नवीनतम आरोप दुर्भावनापूर्ण, शरारती और जोड़-तोड़ वाले हैं। ये आरोप सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारियों का चयन करके पूर्वनिर्धारित निष्कर्षों तक पहुंचने का प्रयास हैं, जिसमें तथ्यों और कानून की पूरी तरह से अनदेखी की गई है। हम अडानी समूह के खिलाफ इन आरोपों को पूरी तरह से खारिज करते हैं। ये आरोप उन पुरानी और निराधार दावों को फिर से उठाते हैं, जिनकी पूरी जांच की गई थी, जो बेबुनियाद साबित हुए थे और जिनसे माननीय सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी 2024 में इनकार कर दिया था। दरअसल अमेरिका स्थित शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने 10 अगस्त को अपनी नई रिपोर्ट में आरोप लगाया कि सेबी की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच की अडानी के मनी साइफनिंग स्कैंडल में इस्तेमाल की गई ऑफशोर फंड्स में हिस्सेदारी थी।

19 सितंबर से एक बार फिर मैदान में उतरेगी भारतीय क्रिकेट टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम अब 19 सितंबर से एक बार फिर मैदान में नजर आयेगी। श्रीलंका दौरा के बाद टीम को तरोताजा होने के लिए करीब सवा महीने का ब्रेक मिल गया है। आमतौर पर वरिष्ठ सीनियर खिलाड़ियों को आराम देकर युवाओं को उतारा जाता है पर इस साल कार्यक्रम ऐसा है कि युवाओं को भी ब्रेक मिल गया है क्योंकि इस बीच कोई सीरीज नहीं है। भारतीय क्रिकेट टीम अब सीधा 19 सितंबर से बांग्लादेश टीम से घरेलू सीरीज खेलेगी। इस सीरीज में टीम को दो टेस्ट और तीन टी20 मैच खेलने हैं। यह टेस्ट सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में शामिल रहेगी। ऐसे में भारत के पास बांग्लादेश को हराकर अंक तालिका में बढ़त लेने कर अच्छा अवसर है। भारतीय टीम अभी अंकतालिका में पहले स्थान पर है।

इस सीरीज के बाद न्यूजीलैंड की टीम भारत दौरे पर तीन मैच की टेस्ट सीरीज के लिए आएगी, यह सीरीज भी डब्ल्यूटीसी का हिस्सा रहने वाली है। इसके बाद भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका जाएगी। इस दौरे में चार मैच में टी20 सीरीज होगी। इसके बाद भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया जाएगी। वहीं अगले साल की शुरुआत में उसे इंग्लैंड जाना है।

ऐसे में देखा जाये तो 19 सितंबर से भारतीय टीम का जो कार्यक्रम है वह काफी व्यस्त है। भारत ओर बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट- चेन्नई में 19 से 23 सितंबर तक खेला जाएगा जबकि दूसरा टेस्ट कानपुर में 27 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच होगा। इसके बाद तीन टी20 मैच धर्मशाला , दिल्ली और हैदराबाद में 6 , 9 और इस सीरीज के बाद न्यूजीलैंड की टीम भारत दौरे पर तीन मैच की टेस्ट सीरीज के लिए आएगी, यह सीरीज भी डब्ल्यूटीसी का हिस्सा रहने वाली है। न्यूजीलैंड के भारत दौरे का आगाज 16 अक्टूबर से शुरु होगा। इस सीरीज का पहला पहला टेस्ट बेंगलुरु में 16 से 20 अक्टूबर जबकि दूसरा पुणे में 24 से 28 अक्टूबर और तीसरा मुंबई में 1 से 5 नवंबर के बीच खेला जाएगा। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड की मेजबानी करने के बाद भारतीय टीम चार मैच की टी20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी। यह सीरीज 8 नवंबर से शुरू होगी और आखिरी मैच 15 नवंबर को खेला जाएगा। इस पहला टी20- डरबन में 8 नवंबर जबकि दूसरा टी20- गकबेर्हा में 10 नवंबर, तीसरा टी20- सेंचुरियन में 13 नवंबर और चौथा टी20 जोहानसबर्ग में 15 नवंबर को खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका के बाद भारतीय टीम का अगला दौरा ऑस्ट्रेलिया का होगा। बॉर्डर गावस्कर टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया इस बार 4 की जगह 5 मैच की टेस्ट सीरीज खेलेगी। भारत ने पिछले दो दौरों पर ऑस्ट्रेलिया को हराया है। ऐसे में इस बार भी टीम की नजरें जीत पर रहेंगी। इस दौरे में ऑस्ट्रेलिया से पहला टेस्ट- पर्थ में 22 नवंबर से 26 नवंबर जबकि दूसरा एडिलेड में 6 दिसंबर से 10 दिसंबर, तीसरा टेस्ट ब्रिसबेन में 14 दिसंबर से 18 दिसंबर , चौथा टेस्ट मेलबर्न में 26 दिसंबर से 30 दिसंबर तक खेला जाएगा। पांचवां टेस्ट सिडनी में 3 जनवरी से 7 जनवरी तक होगा। ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद भारतीय टीम नये साल की शुरुआत में इंग्लैंड की मेजबानी करेगी। इस सीरीज में भारतीय टीम 5 टी20 और तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले यह वनडे सीरीज दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण होगी।

वृहद-आर्थिक आंकड़े, कंपनी परिणाम तय करेंगे बाजार की चाल : विश्लेषक

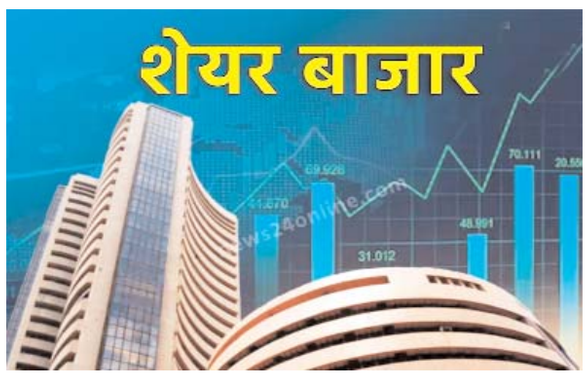

मुंबई (एजेंसी)। इस सप्ताह वृहद-आर्थिक आंकड़े, कंपनियों के जून तिमाही के परिणाम, जुलाई की थोक और खुदरा महंगाई के आंकड़ों और वैश्विक रुझान से शेयर बाजार की चाल तय होगी। विश्लेषकों ने यह अनुमान जताया है। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की व्यापारिक गतिविधि भी बाजार में गतिविधियों को निर्धारित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस सप्ताह चार दिन ही कारोबार होगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गुरुवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे। बाजार विश्लेषक ने कहा कि इस सप्ताह सबका ध्यान वैश्विक बाजारों पर रहेगा क्योंकि हम स्थिरता की लंबी अवधि के बाद कमजोरी का असर देख सकते हैं। भारतीय इक्विटी बाजार में भी इस सप्ताह कुछ हद तक स्तर बनाए रखने की स्थिति से जूझ सकते हैं। बाजार के ऊंचे मूल्यांकन के अलावा भू-राजनीतिक तनाव भी बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि घरेलू मोर्चे पर अप्रैल-जून तिमाही के लिए कंपनियों के वित्तीय नतीजों का अंतिम दौर इस सप्ताह खास शेयरों की दिशा तय करेंगे। इस सप्ताह हीरो मोटोकॉर्प और हिंडाल्को जैसी कुछ बड़ी कंपनियों के नतीजे आने वाले हैं। उन्होंने कहा कि संस्थागत प्रवाह भी बाजार की गतिशीलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

वोडाफोन आइडिया, एनएमडीसी, आईआरसीटीसी, एसजेवीएन और पीसी ज्वैलर भी सप्ताह के दौरान अपनी तिमाही आय की घोषणा करेंगे। व्यापक आर्थिक मोर्चे पर सोमवार को जून के औद्योगिक उत्पादन आंकड़े और जुलाई की खुदरा मुद्रास्फीति दर की घोषणा की जाएगी। थोक मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति का आंकड़ा बुधवार को जारी किया जाएगा। बाजार के जानकारों ने कहा कि इस सप्ताह आने वाले भारतीय मुद्रास्फीति के आंकड़ों के अलावा वैश्विक बाजार घरेलू बाजार की दिशा तय करेंगे।

महिला पहलवान रितिका पेरिस ओलंपिक के क्वार्टरफाइनल में पहुंची, काइजी से होगा मुकाबला

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में भारतीय महिला पहलवान रितिका हुड्डा क्वार्टरफाइनल में पहुंच गयी है। रितिका ने 76 किलोग्राम वर्ग में हंगरी की बर्नाडेट नैगी को 12-5 को हरा कर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया है। रीतिका ने शुरुआती मुकाबले को 12-2 से तकनीकी श्रेष्ठता के आभार पर जीता। वह पहले पीरियड में 4-0 से आगे थी इसके बाद दूसरे पीरियड में उसने शानदार प्रदर्शन कर विरोधी पहलवान बर्नाडेट को जीत का कोई अवसर नहीं दिया। अब अगले दौर में रितिका का मुकाबला किर्गिस्तान की मेडेट काइजी एइपेरी से होगा। क्वार्टरफाइनल में रीतिका अगर जीत हासिल करती हैं तो उसके पदक जीतने की उम्मीदें बन जाएंगी हालांकि उसके लिए ये आसान नहीं होगा। ऐसे में उम्मीद यही की जा रही है कि रीतिका क्वार्टर फाइनल में किस भी तरह जीत हासिल करें वह पहली बार ओलंपिक में गयी है और महिलाओं के हैवीवेट वर्ग में भाग लेने वाली पहली भारतीय पहलवान है। रितिका अंडर 23 विश्व चैंपियनशिप 2023 की विजेता रही हैं। रीतिका पहले हैंडबॉल खेलती थी पर पिता के कहने पर उन्होंने हैंडबॉल को छोड़कर कुश्ती को अपनाया। किसान पिता जगबीर चाहते थे कि उनकी बेटी टीम गेम की जगह कोई व्यक्तिगत गेम खेले. इसलिए उन्होंने रीतिका को कुश्ती चुनने की सलाह दी जो सफल होती दिखी रही है। वहीं भारत की ही अन्य महिला पहलवान अंशु मलिक पहले ही हार कर बाहर हो गयीं थीं जबकि विनेश फोगाट को वजन वर्ग में अधिक होने के कारण फाइनल से पहले ही बार कर दिया गया था।

अरशद और नीरज के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा फायदेमंद

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और पीसीबी प्रमुख रहे रमीज राजा ने कहा है कि पाक भाला फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम और भारतीय खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के बीच प्रतिद्वंद्विता होना अच्छी बात है। अरशद ने पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण जीता है जकि नीरज को रजत पदक मिला है।

इस दोनो ही शीर्ष खिलाड़ियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा की रमीज ने प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि दोनो ही स्टार खिलाड़ी हैं और उनके बीच इसी तरह से प्रतिस्पर्धा जारी रहनी चाहिये। अरशद जहां पाक की ओर से ओलंपिक के व्यक्तिगत वर्ग में स्वर्ण जीतने वाले पहले खिलाड़ी हैं। वहीं नीरज भी ओलंपिक और विश्वचैम्पियनशित के स्वर्ण विजेता हैं। रमीज ने कहा कि जिस प्रकार इस ओलंपिक में अरशद ने एक छोटे से गांव से निकलकर ओलंपिक में जीत दर्ज की है उसकी जितनी प्रशंसा करें वह कम है। साथ ही कहा कि ये उनके लिए एक बड़ी जीत है। इसमें सबसे अहम ये है कि अरशद का स्वभाव बेहद शांत है उसने न कोई ज्यादा उत्साह दिखाया न वह मुकाबले से पहले चिन्तित नजर आया। वह दयालु दिखते के अलावा कठोर भी रहा। उनके अंदर जो गुस्सा था। वह उनके थ्रो में दिखाई दे रहा था। राजा ने इसके साथ ही नीरज की खेल भावना की भी जमकर प्रशंसा की। साथ ही कहा कह नीरज इतनी सफलता के बाद भी जमीन से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि नीरज उस दिन एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ थे। जो उनसे बेहतर साबित हुआ। उन्होंने कहा कि दोनो ही देखों के बीच खेल मुकाबले होने चाहिये। उन्होंने इस बात पर दुख जताया कि राजनीतिक तनाव के कारण खेल मुकाबले देखने का आनंद प्रशंसकों को नहीं मिल पा रहा। उन्होंने कहा कि प्रशंसकों को राजनीति के कारण नुकसान क्यों होना चाहिये और दोनो देशों के बीच प्रतिस्पर्धाएं होनी चाहिए। दुनिया इस प्रकार के मुकाबले देखना चाहती है। उन्होंने कहा कि मैंने पीसीबी प्रमुख के पद पर रहते हुए हमेश ही दोनो देशों के बीच क्रिकेट सीरीज शुरु करने की बात कही थी।

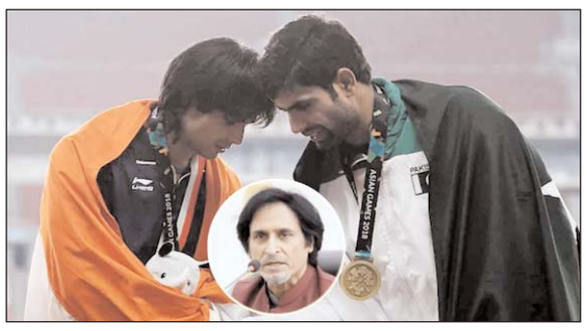

घाटे में चल रही इंडिया सीमेंट्स को बेचते ही कंपनी ने की करोड़ों की कमाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया सीमेंट्स ने शनिवार को अपना जून तिमाही का आंकड़ा पेश किया लगातार पांच तिमाहियों तक घाटे में रहने के बाद कंपनी की किस्मत बदलने लगी है। जून तिमाही में दक्षिण भारत की दिग्गज सीमेंट कंपनी इंडिया सीमेंट्स ने 57.5 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया है। पिछले साल समान तिमाही में कंपनी को 87 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था।

जून तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 28.5 फीसदी की गिरावट के साथ 1,027 करोड़ रुपए रहा था जो पिछले साल समान तिमाही में 1,436 करोड़ रुपए था। अल्ट्राटेक सीमेंट जल्दी ही इंडिया सीमेंट्स को टेकओवर करने वाली है। आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने हाल में इंडिया सीमेंट्स में हिस्सेदारी खरीदने के लिए प्रमोटर परिवार के साथ 3,954 करोड़ रुपए की एक डील की है। डील के मुताबिक आदित्य बिड़ला ग्रुप की कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट चेन्नई की कंपनी इंडिया सीमेंट्स में करीब 33फीसदी हिस्सेदारी खरीद रही है। यह डील इंडिया सीमेंट्स 390 रुपए प्रति शेयर पर होगी। यह जून में अल्ट्राटेक द्वारा खरीदी गई 23फीसदी हिस्सेदारी से अलग है। साथ ही इंडिया सीमेंट्स के पब्लिक शेयर होल्डर्स से अतिरिक्त 26फीसदी हिस्सेदारी हासिल करने अल्ट्राटेक खुली पेशकश करेगी। इस तरह कंपनी में अल्ट्राटेक का कुल निवेश 7,100 करोड़ का हो जाएगा। इससे अल्ट्राटेक को दक्षिण भारत के बाजार में अपनी धाक जमाने का मौका मिल जाएगा। इंडिया सीमेंट्स के तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और राजस्थान में प्लांट लगे हुए हैं जिनकी क्षमता 14.5 मिलियन टन है। इंडिया सीमेंट्स का प्रमोटर श्रीनिवासन परिवार है। एन श्रीनिवासन अपने पिता और कंपनी के सह-संस्थापक के 1968 में निधन के बाद इंडिया सीमेंट्स में शामिल हुए थे।

अभी वह कंपनी के वाइस-चेयरमैन हैं। श्रीनिवासन उम्र के चलते स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे हैं। उनकी पत्नी और बेटी की कंपनी को चलाने में रुचि नहीं है। अधिग्रहण पूरा होने के बाद तीनों कंपनी के बोर्ड से हट जाएंगे। कंपनी पिछले कुछ समय से वित्तीय समस्याओं का सामना कर रही है। इस साल की शुरुआत में कुछ विदेशी मुद्रा लेनदेन के संबंध में ईडी ने उसके ठिकानों पर छापा भी मारा था।

अमेरिकी खिलाड़ी बोला, अभी से खराब होने लगे हैं पदक

पेरिस (एजेंसी)। अमेरिकी खिलाड़ी निजाह हुडसन ने पेरिस ओलंपिक में मिले पदकों की गुणवत्ता पर सवाल उठाया है। हुडसन के अनुसार ओलंपिक पदक जीतना सभी खिलाड़ियों का सपना रहता है। जो खिलाड़ी इसमें शामिल होते हैं वह अपने पदक को हमेशा के लिए सुरक्षित बनाये रखना चाहते हैं। हुडसन के अनुसार इसबार मिले पदकों की गुणवत्ता अच्छी नहीं है। ऐसे में इसे जीवन भर संजो कर रखना संभव नहीं होगा। इस एक अमेरिकी खिलाड़ी ने आरोप लगाया है कि उन्हें मिला कांस्य पदक बेरंग होने के साथ ही खराब भी होने लगा है। इस खिलाड़ी ने पुरुषों की स्ट्रीट स्केटबोर्डिंग में तीसरे स्थान पर रहते हुए ही कांस्य पदक जीता था। यहां जापान के युटो होरिगोम ने स्वर्ण पदक जीता था। हुडसन ने खराब हो रहे पदक की तस्वीर भी साझा करते हुए कहा है कि आप देख सकते हैं कि पदक का रंग भी उतरने लगा है।

इस खिलाड़ी ने पदक को लेकर कहा, ये ओलंपिक पदक तब अच्छे लगते हैं जब वे बिल्कुल नए होते हैं पर इसे थोड़ी देर के लिए पसीने के साथ अपनी त्वचा पर रखने और फिर सप्ताह के अंत में अपने दोस्तों दिखाने के बाद इसकी खराब गुणवत्ता नजर आने लगती है। इस खिलाड़ी ने कहा कि हमें पदक जीते एक सप्ताह हुआ है पर पदक का रंग खराब होने लगा है। मेरा मतलब है कि ये खराब होना शुरु हो गया है। यहां तक कि सामने का हिस्सा भी थोड़ा-थोड़ा उखड़ने लगा है। इसलिए पदकों की गुणवत्ता बेहतर बनानी होगी।

अब युवा खिलाड़ियों को कोचिंग देते दिखेंगे पीआर श्रीजेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम के कांस्य पदक जीतने के साथ ही संन्यास लेने वाले दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश अब जूनियर टीम को कोचिंग देते हुए दिखेंगे। माना जा रहा है कि हॉकी इंडिया ने श्रीजेश से बात कर ली है और शीघ्र ही उन्हें जूनियर खिलाड़ियों को निखारते हुए देखा जा सकता है। इस मामले में हॉकी इंडिया आने वाले दिनों में घोषणा करेगा। हॉकी इंडिया इसलिए श्रीजेश को कोच बनाना चाहती है क्योंकि उनका दो दशक का करियर विवादों से रहित रहा है। श्रीजेश कोच के साथ ही कप्तान भी रहे हैं और उन्होंने अपने करियर में अपने ही बल पर कई मैच जीते हैं। ओलंपिक में भी इस बार श्रीजेश ने कई गोल रोककर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा ,' श्रीजेश को कुछ दिन के अंदर ही पुरूष जूनियर टीम का कोच बनाएंगे। हमने इस बारे में उनसे बात कर ली है। हमारा मानना है कि युवाओं को उनसे बेहतर कोई मार्गदर्शन नहीं दे सकता। उसमें असाधारण क्षमता है जो उसने ब्रिटेन के खिलाफ मुकाबले में दिखायी। वह आने वाली पीढ़ी के गोलकीपरों को भी अमूल्य मार्गदर्शन देगा। 'टिर्की ने कहा,'हम चाहते हैं कि श्रीजेश कृशन बहादुर पाठक और सूरज करकेरा जैसे युवा गोलकीपरों को मार्गदर्शन दें जो उनकी जगह लेने जा रहे हैं।'अगले साल भारत में जूनियर विश्व कप होने वाला है। टिर्की ने कहा ,' श्रीजेश अगले साल जूनियर विश्व कप के लिए टीम को तैयार कर सकता है।'

चालू वित्त वर्ष में घट सकता है दालों का आयात

खुदरा कीमतें भी कम होने की संभावना

नई ल्ली (एजेंसी)। भारत का दालों का आयात पिछले वर्ष के 47.38 लाख टन से घटकर चालू वित्त वर्ष में 40-45 लाख टन रह सकता है, ऐसा इंडस्ट्री बॉडी इंडिया पल्सेस एंड ग्रेन्स एसोसिएशन के चेयरमैन बिमल कोठारी का कहना है। उन्होंने इस साल मॉनसून की अच्छी स्थिति के चलते घरेलू उत्पादन में वृद्धि और खुदरा कीमतों में कमी की संभावना जताई है।

IPGA ने सरकार से मांग की है कि दाल बाजार के लिए दीर्घकालिक नीति बनाई जाए, ताकि बार-बार बदलाव से अंशधारकों के हितों को नुकसान न पहुंचे। इसके अलावा, संस्था ने पीली मटर पर आयात शुल्क लगाने की भी सिफारिश की है। कोठारी ने भारत दलहन सेमिनार 2024 में संवाददाताओं से कहा कि इस वित्त वर्ष में दालों के आयात की मात्रा 40-45 लाख टन रहने की संभावना है। कोठारी ने कहा कि फसल वर्ष 2024-25 में दालों के उत्पादन में सुधार और पिछले वित्त वर्ष में अधिक आयात के कारण आयात में कमी आएगी। उन्होंने बताया कि भारत ने पिछले वित्त वर्ष में 16 लाख टन मसूर दाल का आयात किया था, जबकि 10 लाख टन की जरूरत थी। पीली मटर का आयात भी 2023-24 के स्तर से कम हो सकता है। उन्होंने बताया कि इस साल मॉनसून की बारिश बेहतर रही है और खरीफ सत्र में दालों की फसल का रकबा बढ़ा है, जिससे घरेलू उत्पादन बढ़ने की उम्मीद है। कोठारी ने कहा कि पिछले एक महीने में थोक बाजारों में दालों की कीमतों में कमी आई है और आगे भी इसमें कमी आने की संभावना है। तुअर की कीमतों में पिछले एक महीने में 20 रुपये प्रति किलोग्राम की कमी देखी गई है।

उन्होंने आशंका जताई कि इस साल दालों की कीमतें बढ़ेंगी नहीं, बल्कि गिरती रहेंगी। पिछले महीने, सरकार ने संसद को सूचित किया था कि घरेलू मांग को पूरा करने के लिए 2023-24 के दौरान भारत का दालों का आयात सालाना आधार पर 90 प्रतिशत बढ़कर 47.38 लाख टन हो गया।

हर घर नल की टोटी से जल पहुंचने का सपना हुआ साकार : प्रतिमा बागरी

राज्यमंत्री ने किया 5 ग्राम पंचायतों की एकल नल जल योजना का लोकार्पण

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरगामी सोच से शहरी क्षेत्रों की तरह अब ग्रामीण क्षेत्र में भी प्रत्येक घर में नल की टोटी से शुद्ध पेयजल उपलब्ध होने का सपना साकार हो रहा है। अधिकांशतया साफ स्वच्छ पेयजल का उपयोग नहीं करने से अधिकतर बीमारियां होती है। जल जीवन मिशन के माध्यम से प्रत्येक घर में नल से स्वच्छ जल उपलब्ध होने से बीमारियों का खतरा कम होगा। इस आशय की बात प्रदेश की नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने रविवार को रैगांव विधानसभा की 5 ग्राम पंचायतों में एकल नल जल योजना के लोकार्पण कार्यक्रम में कही। कार्यक्रमों की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा ने की। इस मौके पर एसडीओ पीएचई आरके त्रिपाठी, अवधेश प्रताप सिंह, प्रणवीर सिंह हीरा, सरपंच संध्या बागरी, विजय सिंह सहित आस-पास की ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री बागरी ने रैगांव क्षेत्र के भ्रमण के दौरान ग्राम पंचायत इटमा में 93 लाख रूपये, ग्राम पंचायत धौरहरा में 95 लाख रूपये, पैकोरी ग्राम पंचायत में 84 लाख रूपये, खडौरा में 43 लाख रूपये और ग्राम पंचायत नचनौरा में 37 लाख रूपये लागत से नवनिर्मित जल जीवन मिशन की एकल पेयजल योजनाओं का लोकार्पण किया। इन पेयजल योजनाओं में इटमा, धौरहरा और पैकोरी में 12 मीटर ऊंचाई की 100 किलो लीटर क्षमता की उच्च स्तरीय टंकी तथा 20 किलो लीटर क्षमता के सम्पवेल भी बनाये गये है। राज्यमंत्री ने ग्राम पंचायत कार्यालयों में आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम में शिला पट्टिका अनावरण कर पेयजल योजनाओं का लोकार्पण किया। उन्होंने एक पेड मां के नाम अभियान के तहत ग्राम पंचायत परिसर में पौधे भी रोपे।

नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार किसानों, युवाओं, गरीब परिवारों एवं महिलाओं के सशक्तीकरण आत्मनिर्भरता के लिए अनेक योजनायें संचालित कर रही है। उन्होंने कहा कि देश को हर घर में नल से जल पहुंचाने की चिंता प्रधानमंत्री जी ने की और जल जीवन मिशन लागू किया। देश के घर-घर में नल से स्वच्छ पेयजल पहुंचने का सपना अब साकार हुआ है। राज्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्र में बरगी का जल सिंचाई के लिए शीघ्र और अवश्य आयेगा। राज्य स्तर पर निरंतर मानीटरिंग और समीक्षा कर बरगी नहर को जिले में लाने के प्रयास तेज किये गये है। उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढाकर खेती को लाभ का धंधा बनाया जायेगा। वर्तमान परिवेश और पौष्टिकता के लिए मोटे अनाज को फिर से प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसान मोटे अनाज की खेती जरूर करें और अपने खेतों तथा भोजन की थाली में मोटे अनाज को अवश्य स्थान दें।

राज्यमंत्री ने कहा कि बहनें रक्षाबंधन त्यौहार के साथ स्वतंत्रता का राष्ट्रीय त्यौहार भी उत्साहपूर्वक धूमधाम से मनाये। हर घर में तिरंगा फहराये और पर्यावरण के लिए एक पेड जरूर लगायें। राज्यमंत्री ने संबंधित सरपंच गणों को स्वच्छ पेयजल की जांच हेतु विभागीय किट भी प्रदान की। सतीश शर्मा ने कहा कि साफपानी नहीं पीने से कई प्रकार की बीमारियां पनपती है। केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं से हर घर में नल की टोटी से शुद्धजल पहुंचाने का कार्य हुआ है। उन्होंने ग्रामीणजनों से कहा कि अब पेयजल योजना को सुरक्षित रखने और लगातार संचालित रखने की जिम्मेदारी सम्पूर्ण ग्रामवासियों की है।

राज्यमंत्री के मार्ग दर्शन में जन अभियान परिषद द्वारा निकाली गई तिरंगा रैली

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। भारत देश के सम्मान का प्रतीक तिरंगा झण्डा के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने हेतु शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्र-1 में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा रविवार को आयोजित कार्यक्रम के उपरांत राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के नेतृत्व में हर घर तिरंगा अभियान अंतर्गत तिरंगा रैली निकाली गई। जन अभियान परिषद के तत्वावधान में आयोजित रैली में शामिल लोगों के हाथ में झण्डा तथा भारत माता की जय, विजयी विश्व तिरंगा प्यारा झण्डा ऊंचा रहे हमारा, इसकी शान न जाने पाये, चाहे जान भले ही जावे गीत रैली के सहभागियों द्वारा गाये जा रहे थे। रैली का नेतृत्व जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक डॉ. राजेश तिवारी ने किया। इस अवसर पर प्राचार्य शासकीय व्यंकट क्रमांक-1 सुशील श्रीवास्तव, स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि, एमएसडब्ल्यू, बीएस डब्ल्यू के छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे। प्राचार्य सुशील श्रीवास्तव ने बताया कि 15 अगस्त को विद्यालय प्रांगण में पीछे की तरफएक हजार पौधों का रोपण किया जायेगा। जिसके लिए गड्ढों की तैयारी कर ली गई है।

जिला और विकासखण्ड मुख्यालयों पर 13 अगस्त को होगी तिरंगा यात्रा

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। राज्य शासन के खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा जारी निर्देशानुसार हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत तिरंगा यात्रा, मैराथन, बाइक रैली, साईकिल रैली, कार रेस आदि के आयोजन किये जा रहे है। सतना जिले में जिला स्तर और विकासखण्ड मुख्यालय स्तर पर 13 अगस्त को प्रातः 10 बजे से तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जायेगा। सतना जिला मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस के जिला स्तरीय समारोह की फाइनल रिहर्सल के बाद 13 अगस्त को प्रातः 10 बजे पुलिस परेड ग्राउण्ड से सिविल लाइन चौपाटी सतना तक तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जायेगा। कलेक्टर अनुराग वर्मा ने जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी को सभी संघ, संस्था, विभाग से सम्पर्क कर अधिकाधिक प्रतिभागियों की सहभागिता सुनिश्चित करने और तिरंगा यात्रा के पूर्व सभी प्रतिभागियों की आनलाइन इन्ट्री कराने के निर्देश दिये है। कलेक्टर ने तिरंगा यात्रा के कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए पुलिस, नगर पालिक निगम, चिकित्सा विभाग, जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला परियोजना समन्वयक, शासकीय स्वशासी महाविद्यालय एवं शासकीय कन्या महाविद्यालय, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास, जिला समन्वयक जन अभियान परिषद, जिला अधिकारी एनएसएस, एनसीसी अधिकारी उच्च शिक्षा एवं शिक्षा विभाग, जिला स्काउट एवं गाइड, जिला सैनिक कल्याण बोर्ड, सीईओ स्मार्ट सिटी, जिला खेल एवं युवा कल्याण, अध्यक्ष, सचिव खेल संघ और जनसम्पर्क विभाग को तिरंगा यात्रा के आयोजन संबंधित दायित्व सौंपे है।

स्कूली बच्चों को समझाए वैक्टर बोर्न बीमारियों से बचाव के उपाय

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। बारिश के मौसम में मच्छर जनित बीमारियों के बढ़ने की संभावना अधिक रहती है। बीमारियों की रोकथाम और बचाव के तरीकों के बारे में जानकारी देने के लिए स्कूली बच्चों के बीच विशेष जागरूकता गतिविधियों की जा रही है। जिसके तहत घर में लार्वा पैदा होने के संभावित स्थानों, लार्वा की पहचान और उसे नष्ट करने के तरीके बताए जा रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग एवं एंबेड परियोजना फैमिली हेल्थ इंडिया द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। साथ ही रहवासी कालोनियों में सामुदायिक बैठकों का आयोजन भी किया जा रहा है। जिसमें लोगों को अपने घर में एक सप्ताह से अधिक समय से पानी जमा होने के स्रोतों की स्वयं निगरानी करने के बारे में जानकारी दी जा रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि मौसम में हो रहे बदलाव के कारण लार्वा पनपने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए साफ पानी इकट्ठा होने के सभी स्त्रोतों की जांच और सफाई आवश्यक है।

जन अभियान परिषद के मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व पाठ्यक्रम का हुआ शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सामाजिक विकास में शासन के साथ जब समुदाय की शक्ति मिलती है तो विकास के सोपान शीघ्रता से प्राप्त किये जा सकते हैं। वर्तमान युवा कल का भविष्य है जिसकी ताकत से ग्रामों की तकदीर और तस्वीर दोनों बदले जा सकते हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन पर मध्यप्रदेश के 313 विकासखण्डों में संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम एक सशक्त प्रतिमान हैं जिससे जुड़कर ग्रामीण युवा प्रशिक्षित होकर अपने संकल्पों से ग्रामीण विकास के दूत बनकर शासन की योजनायें जमीनी स्तर तक प्रसारित करनें के वाहक बने हुये है। इस आशय की बात म.प्र. जन अभियान परिषद विकासखण्ड सोहावल द्वारा शासकीय व्यंकट क्रमांक-1 सतना के सभागार में आयोजित एम.एस.डब्ल्यू और बी.एस.डब्ल्यू पाठ्यक्रम के शुभारंभ अवसर मुख्य अतिथि के रूप में नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने कहीं। कार्यक्रम में जन सम्पर्क अधिकारी राजेश सिंह, व्यंकट क्रमांक-1 विद्यालय के प्राचार्य सुशील श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक डॉ. राजेश तिवारी ने की। कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ मॉ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण से किया गया।

राज्यमंत्री बागरी ने अपने उद्बोधन के माध्यम से युवा नेतृत्व संवाद के तहत सभी छात्रों से कहा कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित यह पाठ्यक्रम कोई साधारण पाठ्यक्रम नहीं है। इस पाठ्यक्रम से साधारण सा व्यक्तित्व भी नेतृत्व क्षमता बढ़ाकर विशिष्ट बन सकता है। स्वयं का उदाहरण देते हुये उन्होने बताया कि मैं भी एम.एस.डब्ल्यू की विद्यार्थी रही हूं और आज आपके सामने जीवंत प्रमाण के रूप में उपस्थित हूं कि और यह बताना चाहूंगी कि यह पढ़ाई कैसे एक साधारण से कार्यकर्ता को राज्यमंत्री तक का सफर करा देता हूं। जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक डॉ. तिवारी ने कहा कि सामुदायिक नेतृत्व का यह पाठ्यक्रम हमें अपनें जीवन कौशल को बढ़ानें का अवसर देता है। यह पाठ्यक्रम कम फीस में उपलब्ध होनें के कारण इसमें ग्रामीण एवं वंचित वर्ग के युवा आसानी से जुड़कर अपनें शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ा पा रहे हैं। उन्होनें बताया कि जन अभियान परिषद इस पाठ्यक्रम के माध्यम से आज पूरे प्रदेश में एक लाख से अधिक युवाओं के साथ कार्य कर रहा है। विभिन्न प्रशिक्षणों के माध्यम से उनकी क्षमता वृद्धि करते हुये उनके गांवों में एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में स्थापित कर शासन एवं समाज के बीच की कड़ी के रूप में सक्रिय कार्य कर रहा है। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन प्राचार्य सुशील श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान में लगाये पौधे दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश: कार्यक्रम उपरान्त सभी सामुदायिक नेतृत्व कार्य कर्ताओं के साथ राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी द्वारा पौधा रोपण किया गया। उन्होंने सभी युवाओं से आह्वान करते हुये कहा कि हमे जीवन में पौधे अवश्य लगाना चाहिये।

सतना जिले में अब तक 464.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

सतना निप्र। जले में इस वर्ष 1 जून से 11 अगस्त 2024 तक 464.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख सतना से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की सतना (रघुराजनगर) तहसील में 778.7 मि.मी., सोहावल (रघुराजनगर) में 312.9 मि.मी., बरौंधा (मझगवां) में 476.8 मि.मी, बिरसिंहपुर में 467 मि.मी., रामपुर बाघेलान में 340 मि.मी., नागौद में 535.5 मि.मी., जसो (नागौद) में 229.7 मि.मी. एवं उचेहरा में 576 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 891.7 मि.मी. है। गत वर्ष इस अवधि में 399.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई थी।

कार सवार बदमाशों ने कारोबारी के बेटे पर की फायरिंग

लोहे के गेट पर लगी गोली, बाल-बाल बचा किशोर, तीन के खिलाफ मामला हुआ दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना शहर में गोशाला चौक के पास स्थित महावीर कॉलोनी में फायरिंग कर हवाला कारोबारी के बेटे को निशाना बनाने की कोशिश और दहशत फैलाने के मामले में पुलिस ने 3 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। सिटी कोतवाली पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक,सिटी कोतवाली अंतर्गत गोशाला चौक के समीप स्थित महावीर कॉलोनी में शुक्रवार की रात कार सवार बदमाशों ने हुंडी दलाल और हवाला कारोबारी महीप शाह के बेटे धर्मिल शाह (17) को निशाना बनाने की कोशिश करते हुए फायरिंग की थी। हालांकि धर्मिल बाल-बाल बच गया था। गोली कॉलोनी के लोहे के गेट पर लगी थी। इस घटना से क्षेत्र में दहशत फैल गई थी। सूचना पर पहुंची पुलिस को मौके पर दो खाली खोखे मिले थे। बताया जा रहा है कि यह वारदात लविश भागदेव उर्फ लवी सिंधी और उसके साथियों ने अंजाम दी थी। बदमाश बिना नंबर की काले रंग की कार से आए थे और चौकीदार से गेट खुलवा कर कॉलोनी के अंदर दाखिल हुए थे।

धर्मिल शाह को लवी सिंधी पहले भी डरा धमका चुका है। परेशान कर चुका है। बीते 3 अगस्त को भी कोचिंग से लौटते समय लवी ने अपने साथियों के साथ मिलकर धर्मिल के साथ सुभाष चौक में मारपीट की थी। जबकि 29 जुलाई को उसकी बाइक भी तोड़ फोड़ कर नष्ट कर दी थी।

टीआई सिटी कोतवाली शंखधर द्विवेदी ने बताया कि इस मामले में लविश भागदेव उर्फ लवी सिंधी और 2 अन्य के खिलाफ बीएनएस की धारा 109 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

चित्रकूट के थरपहाड़ में सड़क नहीं

2 किमी तक पैदल शव लेकर गांव पहुंचे लोग, खाट पर डालकर ले जानी पड़ी बॉडी

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना जिले के चित्रकूट के थरपहाड़ में आज भी बारिश के मौसम में एम्बुलेंस और शव वाहन नहीं जा सकते। ऐसे में नगर पंचायत चित्रकूट के वार्ड नंबर-15 थरपहाड़ में सड़क नहीं होने से 2 किमी तक शव को पैदल लेकर जाना पड़ा। इंद्रनगर से यहां तक शव को चारपाई पर रख कर चार लोग कंधे पर उठा कर ले गए। मामला शनिवार का है। थरपहाड़ गांव जंगल के ऊपर बसा हुआ है। वहां तक आने जाने के लिए ग्रामीणों को पगडंडी नुमा रास्ते से जाना पड़ता है।

वार्ड 15 के पार्षद पति सुरेन्द्र यादव ने बताया कि थरपहाड़ निवासी बलवीर मवासी(16) राजस्थान के जयपुर में क्रेशर में काम करता था। 8 अगस्त की रात क्रेशर चलाते वक्त करंट लगने से बलवीर की मौत हो गई। शनिवार की सुबह 9 बजे एम्बुलेंस शव लेकर पहुंची। लेकिन गांव तक सड़क नहीं होने से शव को नगर से थरपहाड़ तक खाट पर लाद कर लाया गया। ग्रामीणों ने बताया कि ये स्थिति सिर्फ किसी की मृत्यु होने या शव ले जाने पर ही नहीं बनती बल्कि किसी के बीमार होने पर भी मरीज को अस्पताल ले जाने का यही एकमात्र तरीका है। प्रसूताओं को भी ऐसे ही ले जाना पड़ता है।

बताया जाता है कि यहां लगभग 6 साल पहले जंगल को काट कर सड़क बनाने का काम शुरू तो किया गया था लेकिन इसका काम पूरा नहीं किया गया। निर्माणाधीन सड़क में बड़े-बड़े बोल्डर हैं और सड़क की ऊंचाई को भी कम नहीं किया गया। जिसके चलते यहां तक कोई भी वाहन नहीं पहुंच पाता है। सतना जिले के सुदूर पहाड़ी अंचल के गांव मजरे टोलों और आदिवासी बस्तियों में आवागमन के लिए सड़क नहीं है।

पूर्व सैनिकों ने शहर में निकाली तिरंगा यात्रा

देश भक्ति के गीतों पर जमकर थिरके कदम, झंडा ऊंचा रहे हमारा के जयकारे लगाए

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। देश की आजादी की वर्षगांठ के पूर्व चलाए जा रहे जन जागरण अभियान के तहत पूर्व सैनिकों ने सतना शहर में तिरंगा यात्रा निकाली और अमर शहीदों के बलिदान को नमन किया। सतना जिले के पूर्व सैनिक संगठन के तत्वावधान में रविवार को तिरंगा यात्रा निकाली गई। हवाई पट्टी मोड़ पर स्थापित वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप महाराज की प्रतिमा के सामने से शुरू हुई तिरंगा यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण करती हुई सिविल लाइन पहुंची। यहां अमर शहीद स्मारक पर सभी ने श्रद्धा सुमन अर्पित कर शहीदों और उनकी शहादत को नमन किया।

रैली में बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक तो शामिल हुए ही युवाओं-बच्चों ने भी इसमें हिस्सा लिया। युवतियां भारत माता के स्वरूप में नजर आईं तो बच्चे भी देश की सभ्यता-संस्कृति की झलक प्रस्तुत करने वाली वेशभूषा में यात्रा में सहभागी बने। जगह-जगह पूर्व सैनिकों की तिरंगा यात्रा का शानदार स्वागत किया गया।

पूर्व सैनिकों में गजब का उत्साह देखने को मिला। हाथ मे तिरंगा और जुबान पर भारत माता के जयकारे लिए लोग देशभक्ति के गीतों की धुन पर थिरकते चल रहे थे। इन सब के बीच जोश और उत्साह से लवरेज बुजुर्ग पूर्व सैनिक का नाचते-थिरकते चलना आकर्षण का केंद्र रहा।

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम का सत्रारंभ पर्व

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के संकल्पों के साथ हुआ प्रदेशव्यापी उन्मुखीकरण सत्रों का शुभारंभ

313 विकासखंडो में 50 हजार से अधिक विद्यार्थी शामिल

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय और मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम के अंतर्गत समाज कार्य के स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रम के वर्तमान सत्र का शुभारंभ पर्व आज प्रदेश के 313 विकासखंड मुख्यालयों में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन आव्हान एक पेड़ मां के नाम और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की लोक संकल्पना हर घर तिरंगा की गतिविधियों के साथ गरिमा और उल्लास से संपन्न हुआ, जिसमें 50 हजार विद्यार्थियों सहित एक लाख से अधिक नागरिक सहभागी बने। आज सतना जिले के मझगवां विकास खंड में आयोजित बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू के उन्मुखीकरण सत्र शुभारंभ कार्यक्रम को महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा और सीएमसीएलडीपी कार्यक्रम के निदेशक प्रो अमरजीत सिंह ने संबोधित किया।

इस मौके पर कुलगुरु प्रो. भरत मिश्रा ने कहा कि महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय और मप्र जन अभियान परिषद के समन्वयन में पूरे प्रदेश में चल रहा मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम भारत की नई शिक्षा नीति का स्वरूप है। प्रो मिश्रा ने कहा कि इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हम मध्य प्रदेश के 313 विकास खण्डो में सामाजिक नेतृत्वकर्ताओं का निर्माण कर रहे हैं। मध्यप्रदेश शासन की विभिन्न योजनाओं से इस पाठ्यक्रम में अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा, ऐसी हमारी योजना है।

शुभारंभ अवसर पर कुलगुरु प्रो. भरत मिश्रा ने नशा मुक्ति के लिए सभी को इस आशय की शपथ दिलाई कि मैं स्वयं तथा मेरे परिवार जनों, मेरे मित्रों को भी व्यसन से दूर रखने का संकल्प लेता हूं। इस मौके पर कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा सहित अतिथियों ने वृक्ष रोपण किया। हर घर तिरंगा यात्रा निकाली गई। जिले के सोहावल विकासखंड में मध्य प्रदेश की नगरीय विकास और आवास राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी में इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य संजय सिंह और मीरा मवासी ,एसडीएम जितेंद्र वर्मा, जिला जन संपर्क अधिकारी राजेश सिंह, जन अभियान परिषद के जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश तिवारी सहित बड़ी संख्या में नव प्रवेशित विद्यार्थी, मेंटर्स, नागरिक मौजूद रहे।

ज्ञातव्य हो कि प्रदेशव्यापी शुभारंभ कार्यक्रम में महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. भरत मिश्रा एवं कार्यक्रम निदेशक प्रो. अमरजीत सिंह मझगवां सतना में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के कार्यपालक निदेशक डॉ. धीरेंद्र पांडेय ओबेदुल्ला गंज, भोपाल में और निदेशक प्रो. वीरेंद्र कुमार व्यास विकासखंड फंद्रा में एवं टास्क मैनेजर प्रवीण शर्मा सीहोर के उन्मुखीकरण सत्रों में शामिल हुए।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।